



संक्षिप्त समाचार

खरगे-प्रियंका ने दौ नवरात्र महापर्व की शुभकामनाएं



नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चैत्र नवरात्र महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। खरगे गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की आराधना के महापर्व चैत्र नवरात्र स्थापना के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने रेपो दर स्थिर रखा, महंगाई को लेकर चिंता

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आये भारी उछाल के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीद के विपरीत रेपो दरों में कोई कटौती नहीं की है। फेड की दो दिन चली बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन हाल के महीनों में नये रोजगार की रफ्तार सुस्त रही है और मुद्रास्फोति बढ़ी हुई है। साथ ही पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव में भी अनिश्चितता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बताया कि समिति ने दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया है।

सेंसेक्स दो फीसदी से ज्यादा लुढ़का

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रिपो दरों को स्थिर रखने के फैसले के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट रही। विदेश से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच बीएसई का सेंसेक्स 1,953.21 अंक की गिरावट में 74,750.92 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 1,722.90 अंक (2.25 प्रतिशत) नीचे 74,981.23 अंक पर था। बाजार में चौतरफा गिरावट रही और सभी सेक्टरों के सूचकांक नीचे चल रहे हैं। ऑटो, वित्त, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोगा उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट में हैं। आईटी, एफएमसीजी, धातु, फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में भी भारी बिकवाली देखी जा रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निप्पटी-50 सूचकांक भी 580.05 अंक टूटकर 23,197.75 अंक पर खुला।

सरहुल उत्सव जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट धरोहर, इसे संजोकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर के दीपू बगीचा में आयोजित पारंपरिक सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धरती माता, सूर्य देव एवं साल वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और समृद्ध फसल की कामना की।

सरहुल की पारंपरिक रस्म के तहत पूजा कराने वाले बैगा द्वारा मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) फूल खोंचकर शुभ आशीष प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री साय ने जिलेवासियों को सरहुल उत्सव एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल महोत्सव सदियों से प्रकृति, धरती और जीवन के संतुलन का प्रतीक रहा है। बैगा, पाहन एवं पुजारी द्वारा की जाने



प्रधानमंत्री मोदी ने नव वर्ष एवं नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को अलग-अलग पोस्ट के माध्यम से नव वर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं, साथ ही उन्होंने साहस, आत्मविश्वास, सेवा और सामूहिक राष्ट्र निर्माण के मूल्यों परबल दिया।

नव वर्ष के अवसर पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, नव वर्ष के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह नया वर्ष आप सभी के जीवन में साहस, आत्मविश्वास और सेवा भावना को और मजबूत करे, और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को नई शक्ति प्रदान करे। नव संवत्सर के अवसर पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने इसी तरह की भावना व्यक्त



करते हुए कहा कि आने वाला वर्ष असीम सुख, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आएगा, साथ ही साहस, आत्मविश्वास और सेवा की भावना को मजबूत करेगा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों को अपने परिवार के सदस्यों के

रूप में संबोधित किया और कहा कि शक्ति की पूजा का यह पवित्र अवसर आप सभी के लिए सुख, सौभाग्य, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उन्होंने आगे कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से विकसित भारत के लिए हमारा संकल्प नई ऊर्जा प्राप्त करेगा। एक अलग संदेश में, उन्होंने मां दुर्गा के चरणों में आदरपूर्वक प्रणाम और श्रद्धा अर्पित की और प्रार्थना किया कि देवी सभी को प्रेम और करुणा का आशीर्वाद दें।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश में पारंपरिक नव वर्ष के अवसर पर मनाए जाने वाले विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों, जैसे गुड्डा पड़वा, उगादी, चेटी चंद, साजिबू चीराओबा और नवरेह, की भी शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने देश के

विभिन्न हिस्सों में इन त्योहारों को मनाने वाले लोगों के लिए समृद्धि और एक सुखद वर्ष की कामना की।

नव संवत्सर हिंदू चंद्र पंचांग की शुरुआत का प्रतीक है और भारतीय सांस्कृतिक विविधता के साथ विभिन्न राज्यों में इसे अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। यह अवधि नवरात्रि के साथ भी मेल खाती है, जिसमें भक्त देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा करते हैं, जो बुराई पर अच्छाई की विजय और ब्रह्मांड को बनाए रखने वाली दिव्य ऊर्जा का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संदेश सबका साथ, सबका विकास के व्यापक दृष्टिकोण और विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को रामजन्मभूमि में श्रीराम यंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। नव संवत्सर के अवसर पर राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश झुकाकर आरती उतारी और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। तीनों गणमान्य हस्तियों ने मंदिर परिसर में विभिन्न देवी-देवताओं के समक्ष भी श्रद्धापूर्वक शीष नवाया। इसके बाद राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर दीवारों पर उकेरी गई आकृतियों का अवलोकन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और संतों की उपस्थिति में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के



दिन मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना संपन्न हुई। यह यंत्र दो वर्ष पूर्व विजयेंद्र सरस्वती द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना से पूर्व देश के विभिन्न भागों दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या से आए आचार्यों द्वारा नौ

दिवसीय वैदिक अनुष्ठान प्रारंभ किया गया था। प्रतिष्ठापना के समय आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा तथा सदस्य गोपाल जी सहित अनेक संत एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ तूफानी आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट किया जारी

नयी दिल्ली। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को बादल छाए हुए हैं और तापमान लगभग 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। इससे पहले धूल भरी आंधी, गरज, बिजली और बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और तेज हवाओं ने दिल्ली-एनसीआर में जनजीवन को बाधित किया है और बिजली नेटवर्क को भी प्रभावित किया है। शुक्रवार तक मौसम की ऐसी ही स्थिति बने रहने का अनुमान है। बुधवार शाम खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कम से कम 16 उड़ानों को अन्य शहरों की ओर मोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों को घर में रहने और खड़कियों, बिजली के खंभों और बिजली की तारों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के लिए मिशन मोड में काम करे भारत : राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के मिशन मोड में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना आवश्यक है। सिंह ने रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित दो दिन के राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को 'उन्नत



विनिर्माण प्रौद्योगिकियां' विषय पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नव-उद्यमों, रक्षा उल्कृष्टता के लिए नवाचार विजेताओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, निजी रक्षा कंपनियों, नवोन्मेषकों, नीति निर्माताओं और

शिक्षाविदों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान और इजराइल के बीच तनाव तक चल रहे संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और प्रतिरोधी ड्रोन प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, और ड्रोन निर्माण में आत्मनिर्भरता केवल उत्पाद स्तर पर ही नहीं बल्कि कलपुर्जे के स्तर पर भी आवश्यक है।

ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था साउथ पार्स हमले के बाद ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी कतर पर दोबारा हमला हुआ तो पूरी गैस फील्ड उड़ा देंगे

वाशिंगटन। इजरायल द्वारा बुधवार रात ईरान के एक महत्वपूर्ण गैस केंद्र 'साउथ पार्स गैस फील्ड' पर हमला करने पर जवाबी हमले में ईरान ने कतर में एक प्रमुख एलएनजी सुविधा पर जवाबी हमला करने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की चेतावनी दी कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो वे उसका पूरी गैस फील्ड को उड़ा देंगे जो ईरान ने कभी सोचा नहीं होगा।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र सहित पड़ोसी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये, जिससे वहां की एलएनजी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने साउथ पार्स गैस फील्ड

पर इजरायल के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे 'गुस्से में आकर' इजरायल ने हिंसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिंसक हमला किया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि पूरे क्षेत्र का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही प्रभावित हुआ है।

हरांनी की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को इस हमले का पता नहीं था, न उन्हें इसका अंदाजा था कि ऐसा कुछ होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि अगर कतर भी इसमें शामिल नहीं था। मगर यह भी जोड़ा कि ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से



पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुमूल्य साउथ पार्स फील्ड में इजरायल अब कोई और हमले नहीं करेगा, हालांकि यह भी चेतावनी दी कि जब तक ईरान मूर्खतापूर्ण ढंग से बेहद निर्दोष देश कतर

पर हमला करने का फैसला नहीं करता। अगर ईरान ऐसा करता है तो अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना या उसके साथ पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। गौरतलब है कि दुनिया का सबसे बड़ा गैस फील्ड दक्षिणी ईरान के बुशहर प्रांत के तट पर स्थित है।

ईरान की तस्लीम समाचार एजेंसी ने देश के पेट्रोलियम मंत्रालय के हवाले से कहा कि कई सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है लेकिन फिलहाल किसी के हलाक होने की खबर नहीं है और गैस चैतावनी दी कि जब तक ईरान है। सुर्जों के हवाले से इजरायली मीडिया

ने खबर दी है कि देश की वायुसेना ने इस हमले को अंजाम दिया। साउथ पार्स फील्ड (जिसे कतर के साथ साझा किया जाता है और वहां इसे नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। यह ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। इस क्षेत्र से निकलने वाली प्राकृतिक गैस ईरान के राष्ट्रीय पावर ग्रिड के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से को ऊर्जा देती है। यह ईरान के विशाल पेट्रोकेमिकल और गैसोलीन उत्पादन उद्योगों के लिए कच्चे माल का प्राथमिक स्रोत है। भारी प्रतिबंधों के बीच, यह क्षेत्र घरेलू हीटिंग, खाना पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए अनिवार्य ऊर्जा की जीवनरेखा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के लिये भाजपा की 111 उम्मीदवारों की सूची, रुपा गांगुली और रेखा पात्रा को टिकट

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने 111 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। पार्टी ने राज्य के विभिन्न



क्षेत्रों-उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल और कोलकाता-में नए और अनुभवी चेहरों को मौका दिया है। वहीं भाजपा ने अपनी दूसरी सूची में उम्मीदवारों में बदलाव करते हुए अनुसूचित जाति वाली बिष्णुपुर सीट पर अपना उम्मीदवार बदल दिया है। इस सीट पर पहले अग्निश्वर नस्कर उम्मीदवार बनाया गया था उसके बाद अब इस सीट पर विश्वजीत खान को मैदान में उतारा गया। भाजपा की इस सूची में महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है और कई सीटों पर नए चेहरों को मौका मिला है। भाजपा ने अपनी दूसरी सूची में

प्रमुख महिला नेताओं को मैदान में उतारकर महिला नेतृत्व पर विशेष जोर दिया है। दूसरी सूची में भाजपा ने 19 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। दूसरी सूची में संदेशखाली की घटना के बाद चर्चा में आई रेखा पात्रा और अभिनेत्री से नेता बनी रुपा गांगुली के नाम प्रमुख हैं। रेखा पात्रा को हिंगलगंज सीट से और रुपा गांगुली को सोनारपुर दक्षिण सीट से टिकट दिया गया है। भाजपा ने दूसरी सूची में सुबेंद्र अधिकारी के छोटे भाई दिव्येंद्र अधिकारी को एगरा से चुनवाई मैदान में उतारा है। वहीं चोपड़ा से शंकर अधिकारी और टॉलीगंज से पापिया अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा भाजपा ने मठभंगा से पूर्व केंद्रीय मंत्री निशित प्रमाणिक और एंटाली से प्रियंका टिबरेवाल को मैदान में उतारा है।

संक्षिप्त समाचार

तेज आवाज में गाना बना बवाल, घर में घुसकर मारपीट-तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के डी.डी. नगर इलाके में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि पड़ोस के कुछ लोग जबरन घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट व तोड़फेंड़ की। घटना में एक युवक पर ब्लेड से हमला भी किया गया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी प्रार्थी ने थाना डी.डी. नगर में शिकायत दर्ज कराई कि 15 मार्च की रात करीब 9 बजे वह अपने भाई और दोस्तों के साथ घर में बैठकर टीवी पर गाने सुन रहा था। रात करीब 10.30 से 11 बजे के बीच कुछ लोगों ने घर का दरवाजा जोर-जोर से पीटना शुरू कर दिया। दो बार दरवाजा पीटने के बाद तीसरी बार आरोपियों ने दरवाजे को लात मारकर खोल दिया और जबरदस्ती घर के अंदर घुस आए।घर में घुसते ही आरोपियों ने तेज आवाज में टीवी चलाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया और अश्लील गालियां देते हुए प्रार्थी, उसके भाई और दोस्तों के साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान आरोपियों ने घर में रखे टीवी को भी तोड़ दिया। झगड़े के बीच एक आरोपी ने प्रार्थी के भाई आर्यन ठाकरे के बाएं कान के पास ब्लेड से वार कर उसे घायल कर दिया।घटना की रिपोर्ट पर डी.डी. नगर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीड़ितों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की और संभावित ठिकानों पर दबिश दी।पुलिस की कार्रवाई में मामले में शामिल तीन आरोपी कुबेर प्रसाद वर्मा (40 वर्ष), चंदन गुप्ता (33 वर्ष) और विष्णु प्रसाद वर्ममा (43 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपी इंद्रप्रस्थ फेस-2 क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फ्लोरामैक्स ठगी मामले में राष्ट्रीय जनजाति आयोग सख्त, मुख्य सचिव को तलब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में फ्लोरामैक्स कंपनी के नाम पर महिलाओं से हुई कथित ठगी के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर की शिकायत पर आयोग ने प्रदेश के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। ननकी राम कंवर ने आरोप लगाया था कि फ्लोरामैक्स कंपनी के नाम पर 40 हजार से अधिक महिलाओं से अरबों रुपये की ठगी की गई है। इस मामले में कोरबा के तत्कालीन कलेक्टर अजीत बंसत पर शासन और आयोग को गलत जानकारी देने का भी आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि 16 अक्टूबर 2025 को आयोग ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पर कार्रवाई करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। हालांकि 30 दिन बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से आयोग को कोई जानकारी नहीं भेजी गई। इस पर आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 17 मार्च को मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश जारी किए हैं। वहीं ननकी राम कंवर ने कहा है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (इकस्के) से जुड़ी हज़ारों महिलाओं के साथ ठगी हुई है, जिससे योजना की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने इस मामले में दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने और पूरे मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग की है।

रायपुर में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न, 250 से अधिक पंजीयन

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में श्री दूधाधारी सत्संग भवन, मठपारा में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से आए 250 से अधिक युवक-युवतियों का पंजीयन किया गया, जिन्हें मिलन-2026 स्मारिका में प्रकाशित किया गया। सम्मेलन के दौरान पंजीयन कराने वाले परिवार मंच पर आकर अपना परिचय दिया। इस अवसर पर कई परिवारों ने पसंद के रिश्तों को लेकर आपसी चर्चा भी की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के युवक-युवतियों को एक मंच पर लाकर योग्य वर-वधु के चयन की प्रक्रिया को सरल बनाना बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधायक पुंरंद मिश्रा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ योग्य जीवनसाथी के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सम्मेलन के माध्यम से उनका उद्देश्य पूरा हो और योग्य वर-वधु का चयन हो सके। विशेष अतिथि पदम बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने वर्तमान समय में परिचय सम्मेलनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे ने कहा कि संगठन द्वारा सभी वर्गों और दलों के विप्र प्रतिनिधियों को साथ लेकर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

शिकायतों का तेज निराकरण कर हासिल किया पहला स्थान

■ प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व को दिया जा रहा बढ़ावा : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

■ आँगनवाडी कार्यकर्ताओं से लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों ने सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की उपलब्धि

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु

विदेशी मुद्रा के नाम पर 19 लाख की ठगी पश्चिम बंगाल का शातिर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

विदेशी मुद्रा के नाम पर दूर एंड ट्रैवल्स व्यवसायी से करीब 19 लाख रुपये की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के एक शातिर आरोपी को रायपुर पुलिस ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 4.50 लाख रुपये नकद और एक आईफोन जब्त किया गया है।पुलिस के अनुसार गुरुनानक नगर, तेलीबांधा निवासी हरदीप सिंह होरा ने थाना तेलीबांधा में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह ट्रैवल प्लानर नाम से दूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय करता है। 1 मार्च 2026 को उसे एक व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने अपना नाम हर्षित अग्रवाल बताते हुए अमेरिका और लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। बातचीत के दौरान उसने बैंक खाता विवरण भी ले लिया और अगले दिन भुगतान करने की बात कही। 2 मार्च को आरोपी ने प्रार्थी को करेंसी टॉवर स्थित जेनेट को-बकिंग स्पेस में बुलाया और 18 हजार अमेरिकी डॉलर तथा 2 हजार ब्रिटिश पाउंड साथ लाने को कहा। वहां मौजूद व्यक्ति ने नोट गिनने की मशीन लाने का

डिजिटल अरेस्ट’ के नाम पर 1.25 करोड़ की ठगी,हरियाणा से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच रायपुर रेंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ‘डिजिटल अरेस्ट’ के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित को ठगी गई रकम में से 58 लाख रुपये वापस दिला दिए हैं, जबकि शेष राशि भी आरोपियों से जुड़े बैंक खातों में होल्ड करा दी गई है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी सपन कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल कर कुछ लोगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। आरोपियों ने प्रार्थी के क्रेडिट कार्ड के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा मामला दर्ज होने की बात कहकर उसे भयभीत किया। इसके बाद

देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने को इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटार कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनवाडी कार्यकर्ताओं से लेकर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है। जच्चा एवं बच्चा का

छात्रावास की छात्राओं के संबंध में प्रसारित खबर भ्रामक एवं तथ्यहीन

बहाना किया, जबकि फ़ोन पर बातचीत में उलझाकर दूसरा आरोपी विदेशी मुद्रा लेकर फ़ार हो गया। इस तरह आरोपियों ने लगभग 19 लाख 47 हजार रुपये की ठगी को अंजाम दिया।मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और डीसीपी मध्य जोन उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल नंबरों की जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को आरोपियों का सुरुग पश्चिम बंगाल तक मिला।पुलिस टीम ने हावड़ा में दबिश देकर आरोपी प्रोसेसजित चक्रवर्ती (पिता प्रणव वाले ने अपना नाम हर्षित अग्रवाल बताते हुए अमेरिका और लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। बातचीत के दौरान उसने बैंक खाता विवरण भी ले लिया और अगले दिन भुगतान करने की बात कही। 2 मार्च को आरोपी ने प्रार्थी को करेंसी टॉवर स्थित जेनेट को-बकिंग स्पेस में बुलाया और 18 हजार अमेरिकी डॉलर तथा 2 हजार ब्रिटिश पाउंड साथ लाने को कहा। वहां मौजूद व्यक्ति ने नोट गिनने की मशीन लाने का

छात्रावास की छात्राओं के संबंध में प्रसारित खबर भ्रामक एवं तथ्यहीन

रायपुर।

पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की तीन छात्राएँ गर्भवती हैं। इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा मामले की तथ्यात्वक जांच कराई गई, जिसमें उक्त खबर भ्रामक एवं निराधार पाई गई है। उक्त मामले में आज विधानसभा के सदन में सरकार की ओर से स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने भी स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि मामले में प्रस्तुत तथ्यों की विस्तृत जांच की गई है। मंत्री ने कहा कि जिन तीन छात्राओं का उल्लेख किया जा रहा है, उनमें से दो छात्राएँ पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की निवासी नहीं हैं। वे स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय, गंगालूर में अध्ययनरत हैं और अपने घर से ही विद्यालय आना-जाना करती हैं। मंत्री ने आगे बताया कि समाचार में उल्लेखित तीसरी छात्रा पूर्व में पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास में अध्ययनरत थी।

सड़क सुरक्षा पर जागरूकता अभियान का आयोजन सुरक्षित भव फाउंडेशन की नई पहल

रायपुर। राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सुरक्षित भव फउंडेशन द्वारा होटल बेबीलोन कैपिटल में विशेष सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान औपचारिक रूप से ‘रोड सेफ्टी क्लब’ का शुभारंभ भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने भाग लेकर सड़क सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने प्रतिभागियों को सुरक्षित ड्राइविंग, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फ़ोन का उपयोग न करने और ट्रैफ़िक सिग्नलों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में घायलों को प्राथमिक उपचार देने, एम्बुलेंस को तत्काल सूचना देने और समय पर सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश ठाकुर, रेड क्रॉस सोसाइटी के सहायक प्रबंधक देव प्रकाश कुर्े।

नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करें सभी खेल स्थलों को-विभागी सचिव यशवंत कुमार

■ आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभागों को दिए आवश्यक निर्देश, समय से पहले कर लें सभी इंतजाम

■ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पर्यटन स्थलों से भी रु-ब-रू होंगे देशभर के खिलाड़ी व अधिकारी

रायपुर/ संवाददाता

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने छत्तीसगढ़ की



मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालनालय में आयोजित बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त समय



स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का

परिणाम है। प्रशासनिक अमले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लगातार मानिटरिंग की गई और लाभार्थियों के पंजीयन पर मुख्य रूप से फ़ोकस किया गया। इस योजना का लाभ लेने के लिए वर्ष 2023-24 में जहां 1,75,797 गर्भवती महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, वहीं वर्ष

प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य क्रांति की पहल

शासकीय अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम स्थापित करने की मांग-सांसद..

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के प्रमुख शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की स्थापना की मांग की है।अपने पत्र में सांसद श्री अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश की बड़ी आबादी आज भी अपने उपचार के लिए शासकीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों पर ही निर्भर है। गरीब, श्रमिक,



किसान, निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यही संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा आधार हैं। किंतु वर्तमान समय में अधिकांश शासकीय अस्पतालों में सर्जरी के लिए मरीजों की लंबी प्रतीक्षा सूची एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। सीमित संसाधन, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी और एक ऑपरेशन में लगने वाले

अधिक समय के कारण मरीजों को कई-कई महीनों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में जब वे क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं, तो अनेक परिवारों की पीड़ा सामने आती है। ऑपरेशन की तारीख के लिए लंबी प्रतीक्षा के कारण कई मरीजों की बीमारी और अधिक जटिल हो जाती है। वहीं निजी अस्पतालों में सर्जरी का अत्यधिक खर्च गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए भारी आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। कई परिवार अपनी जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं और कई बार जमीन-जायदाद तक गिरवी रखनी पड़ती है।सांसद श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में सुझाव दिया है।

बस्तर की बेटियों के लिए सुरक्षा कवच :एचपीवी टीकाकरण अभियान का भव्य आगाज



रायपुर/ संवाददाता

बस्तर जिले की बेटियों की भविष्य की गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक और आधुनिक अध्याय जुड़ गया। जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। शहर के प्रथम नागरिक और महापौर श्री संजय पांडेय ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अभियान की शुरुआत की, जहाँ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के कुशल मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने इस मिशन को धरातल पर क्रियान्वयन शुरू किया। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि तकनीकी रूप से भी बेहद उन्नत है, क्योंकि इसमें यू-विन पोर्टल का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और किशोरियों को संबोधित करते हुए महापौर श्री संजय पांडेय ने कहा कि यह दिन बस्तर की बेटियों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव का यह टीका बाजार में महंगा है, इसके बावजूद बेटियों के अनमोल स्वास्थ्य की रक्षा हेतु शासन द्वारा इसे पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह टीका हमारी बेटियों के लिए एक अभेद्य

सुरक्षा कवच है क्योंकि सरकार और प्रशासन का लक्ष्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी को जड़ से रोकना है। महापौर ने सभी अभिभावकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराएं, क्योंकि यह न केवल एक स्वास्थ्य अभियान है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक डिजिटल क्रांति भी है, जहाँ टीकाकरण के तुरंत बाद उन्हें ई-सर्टिफिकेट प्राप्त हो रहा है। उन्होंने शासन के इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी घर-घर तक उपलब्ध कराने पर जोर दिया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया, जिसमें पूरी प्रक्रिया का डिजिटल प्रबंधन यू-विन पोर्टल के माध्यम से किया गया। पंजीकरण से लेकर टीकाकरण के पश्चात डिजिटल ई-सर्टिफिकेट प्रदान करने तक की पारदर्शी व्यवस्था ने इस अभियान को और भी प्रभावी बना दिया है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने इस मिशन की गंभीरता को और पुख्ता किया। कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य श्री निर्मल पाणीप्राठी, पार्षद स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश साँडिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी, शहरी स्वास्थ्य मिशन के पीडी बस्तिया मौजूद रहे।

संपादकीय

संपादकीय

फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। स्थिर आय के बीच खाने-पीने की चीजों के बढ़ते दाम और पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जब किसी भी तरह के रोजगार से आय का स्तर ठहरा हुआ हो, जरिया सीमित हो, तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें उसकी पहुंच में हों या फिर कम से कम स्थिर रहें। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है, वह कई बार भारी पड़ता है।माना जाता है कि दिसंबर से फरवरी तक की अवधि में बाजार में सब्जियों की आवक ज्यादा होने की वजह से महंगाई

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रुहोलाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे।

(असे चतुर्वेदी)

अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए जिन कारणों को गिनाया है, उनमें सबसे प्रमुख कारण है, ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकना, ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना और वहां की मौजूदा शासन व्यवस्था को बदलना है। अमेरिका ने तर्क दिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब था, जो दुनिया और क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए एक अस्वीकार्य सुरक्षा खतरा है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को त्यागने के हर अवसर को ठुकरा दिया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उसके ऑपरेशन एफिक फ्यूरी का उद्देश्य ईरान की बैलैस्टिक मिसाइल सुविधाओं और नौसैनिक संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट करना है।

यह ठीक है कि अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई वाले ईरान में इस्लामिक शासन व्यवस्था काम कर रही है, जिसे उसके नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल नहीं था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईरान की संप्रभुता को चोट पहुंचाई जाए। अमेरिका ने वही किया है। अगर ईरान की जनता अयातुल्ला खोमैनी के शासन को खत्म करती हो और बात होती, लेकिन अमेरिकी हमले में खोमैनी का मारा जाना दूसरे तरह की बात है। इससे आने वाले दिनों में कई खतरे उत्पन्न होंगे। ईरान पर हमले के बाद यह आशंका बढ़ गई है कि अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ दुनिया में क्रोध पनपे। यह भी हो सकता है कि आतंकी घटनाएं बढ़ें। गुरिश्क युद्ध और ईरान समर्थित ताकतों द्वारा आतंकवाद के मुकौटों में अमेरिका और उसके समर्थकों को निशाना बनाया जाए। इससे दुनिया की चिंताएं बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों का हालिया इतिहास बताता है कि उनका घोषित उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। नौ सितंबर 2011 को न्यूयार्क के ट्विन टॉवर पर हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अफगानिस्तान स्थित तालिबान और अलकायदा पर कार्रवाई की थी, उस अफगानिस्तान में अब तालिबान का शासन फिर से स्थापित हो चुका है। अफगानिस्तान को छोड़कर भागने का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति रहते जो बाइडेन ने लिया था। अफगानिस्तानी तालिबान पर हमले का एक मकसद वहां लोकतंत्र की स्थापना थी, लेकिन अब वहां तालिबान का इस्लामी शासन है और अमेरिका किनारे है। दिलचस्प यह है कि अफगानिस्ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिस पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोग दिया था, वह पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से झुका रहा है।

इसके के तानाशाह सद्दाम हुसैन के खिलाफ अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ सैन्य कार्रवाई शुरू की। उसका बहाना इराक के पास व्यापक जनसंसार के रासायनिक हथियार होने को बनाया गया। दिलचस्प यह है कि इराक में सद्दाम हुसैन का शासन

काबू में रहेगी। मगर सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़ कर 3.21 फीसद हो गई। हालांकि जनवरी में यह 2.74 फीसद के स्तर पर रही थी। जाहिर है, सिर्फ एक महीने के भीतर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में तेज इजाफा हुआ और यह पिछले दस महीने के सबसे उच्च स्तर पर दर्ज किया गया।कहा जा सकता है कि फरवरी के आंकड़े के मुताबिक महंगाई दर चार फीसद से नीचे है, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि कीमतों के संदर्भ में जरूरी सामान तक आम लोगों की पहुंच किस हद तक आसान है। यह छिपा नहीं है कि रोजगार और आय की कसौटी पर देश की ज्यादातर आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। लंबे समय से स्थिर आमदनी और

कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा। खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि ग्राहकों की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। इसी वजह से रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते समय खुदरा महंगाई को ही अपना आधार बनाता है। अगर खुदरा महंगाई की दर उसके तय दायरे यानी चार फीसद के बाहर चली जाती है तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है।महंगाई के ताजा आंकड़े फरवरी के हैं, जब पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं थे। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह ईरान के

स्थिर आय के बीच बेकाबू होती रसोई की कीमतें

कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा। खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि ग्राहकों की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। इसी वजह से रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते समय खुदरा महंगाई को ही अपना आधार बनाता है। अगर खुदरा महंगाई की दर उसके तय दायरे यानी चार फीसद के बाहर चली जाती है तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है।महंगाई के ताजा आंकड़े फरवरी के हैं, जब पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं थे। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह ईरान के

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रुहोलाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद गड़बड़ाई विश्व व्यवस्था

खत्म हो गया।
तीस दिसंबर 2006 का उन्हें फासां पर अमेरिका समर्थित न्याय तंत्र के जरिए लटका दिया गया, लेकिन इराक में अब तक ना तो लोकतंत्र आ पाया है और न ही शांति।

कुछ इसी तरह साल 2011 में लीबिया में अमेरिका ने सैन्य हस्तक्षेप किया। तब अमेरिका का उद्देश्य लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ हुए नागरिक विद्रोह को समर्थन देकर लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना करना था। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को जरिया बनाया गया। इसके बाद 19 मार्च 2011 को अमेरिका ने अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई हमले और मिसाइल हमले शुरू किए। तब से लेकर अब तक अमेरिका में कार्रवाई जारी है। अमेरिकी विशेष बलों ने बेंगाजी में 2012 के लीबिया के अमेरिकी राजनयिक मिशन पर हमले के आरोपी अहमद अबू खड्गला को गिरफ्तार किया। इसके बाद अमेरिका ने 2015 से लेकर 2019 के बाद तक आईएसआईएस और अल-कायदा के खिलाफ ड्रोन और हवाई हमले जारी रखे। जबकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच लीबिया के ही लोगों के हाथों तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी 20 अक्टूबर 2011 को मारे जा चुके थे। भीड़ ने उन्हें उनके गृह नगर सिरत में पकड़ गया और वहीं उनकी हत्या कर दी गई। तब से लेकर लीबिया अब भी जल रहा है और वहां शांति और लोकतंत्र अब तक इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के शासक निकोलस माद्रुरो को अमेरिकी सैनिकों ने तीन जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर लिया। तब से वे अमेरिकी कैद में हैं और वहां नया शासन स्थापित हो गया है। अमेरिका दावा करता है कि वह लोकतांत्रिक देश है। वह पूरी दुनिया में अपनी तरह लोकतंत्र स्थापित करने का दावा करता है। लेकिन जहां भी वह कार्रवाई करता है, वहां लोकतंत्र आते हुए नहीं दिखता। ईरान में भी कुछ वैसा ही हो सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ विश्व के बड़े हिस्से में शोध है। ट्रंप के दौर में ऐसी कार्रवाइयों

से विश्व आडर गड़बड़ा गया है। संयुक्त राष्ट्र सच किनार बैठ घटनाओं को होते देखभर रहा है।

भूराजनीतिक मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि ईरान पर अमेरिकी हमला चीन की ताकत को रोकने की कोशिश भी है। इसकी वजह यह है कि चीन अपने तेल का तकरीबन नब्बे प्रतिशत हिस्सा ईरान से ही आयात करता रहा है। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। चीन ने अपने दफ्तरी कामकाज में कटौती करने का ऐलान किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों में तो सरकारी दफ्तरों के लिए काम करने वाली गाड़ियों की संख्या को आधा कर दिया गया है और वहां दफ्तरों को हफ्ते में सिर्फ चार दिन खोलने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही वहां स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। भारत में भी युद्ध का असर दिखने लगा है। सरकार ने यहां पच्चीस दिनों बाद ही दूसरा एलपीजी सिलिंडर बुक करने का निमंत्रण लागू कर दिया है। भारत के सॉफ्टवेयर शहर बंगलुरु के पेरेंगे गेट अकोमोडेशन के खाने में कटौती के नोटिस वहां रह रहे युवाओं को मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि वहां घरेलू गैस की कमी हो गई है, इस वजह से वहां पीजी में रोटी, पूरी या पुड़ी और इस तरह के खाने की चीजें नहीं मिलेंगी, सिर्फ दाल-चावल से लोगों को काम चलाना होगा। हालांकि सरकार का कहना है कि उसके पास तेल और गैस का पर्याप्त भंडार है। लेकिन उसने घरेलू गैस की कीमतों में साठ रूपए प्रति सिलिंडर और औद्योगिक गैस की कीमतों में 116 रूपए की बढ़ोतरी कर दी है। इससे देश में उझपीह और अफरातफरी जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं।

जिस तरह रूस और यूक्रेन का युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है, ईरान पर हमले भी थमते नजर नहीं आ रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि अगर ईरान ने समर्पण नहीं किया तो ईरान पर बीस गुना ज्यादा ताकत से अमेरिका हमला करेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बार-बार कह रहे हैं कि ईरान में सत्ता परिवर्तन वहां की जनता की ही करना है। एक तरह से वहां की शासन व्यवस्था को बदलने के लिए लोगों को युद्ध से उपजी परिस्थितियों के बीच उकसाया जा रहा है।

सवाल यह है कि इससे अमेरिका और इजरायल

का क्या फायदा होगा। सांघ तीर पर अमोरिका भूल हो स्वीकार न करे, लेकिन यह तय है कि इस युद्ध के बाद अमेरिका का खाड़ी के तेल भंडारों पर नियंत्रण हो जाएगा। जहां तक इजरायल की बात है तो ईरान के कमजोर होने के बाद स्थानीय भू राजनीतिक माहौल में उसकी ताकत बढ़ जाएगी और वह पश्चिमी एशिया में बिना किसी अवरोध और चिंता के आगे बढ़ता रहेगा।

अमेरिका को लेकर कहा जा रहा है कि अगर ट्रंप नहीं होते तो युद्ध नहीं होता। अमेरिका को लेकर लोगों को अपनी यह सोच बदलनी होगी। चाहे रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे अमेरिका के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगाते हैं। जार्ज बुश जूनियर ने ढाई दशक पहले इराक और अफगानिस्तान पर हमला जब किया था, तब उन्होंने एक तरह से पूरी दुनिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि या तोआप अमेरिका की तरफ हैं या फिर आतंक की तरफ। चूंकि न्यूयार्क के ट्रेड टावर पर हमले की घटना के बाद बुश ने ऐसा कहा था, इसलिए किसी देश ने खुलकर इसका विरोध नहीं किया। तब बुश डेमोक्रेट थे, और अब रिपब्लिकन ट्रंप हैं। दोनों की नीतियों में कम से कम हमले को लेकर कोई अंतर नहीं है। तब बुश ने इराक, यमन और अफगानिस्तान को तबाह किया था, अब ट्रंप ईरान को कर रहे हैं। ट्रंप के बारे में माना जाता है कि अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी में वे लोकप्रिय नहीं हैं। शायद इसे ही देखते हुए कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में युद्ध के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया। इससे साफ है कि अमेरिका कम से कम खुद को आगे रखने और उसके लिए युद्ध करने को कोई गुनाह नहीं मानता। सत्ता चाहे डेमोक्रेट के पास हो या फिर रिपब्लिकन पार्टी के पास। यह बात और है कि ईरान की तरफ से दागी जा रही मिसाइलों की जद में सऊदी अरब, बहरीन आदि देश भी हैं।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई के बाद दुनिया एक बार फिर दहशत और मध्ययुगीन हिंसक समाज की ओर बढ़ती नजर आ रही है। एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और जरूरत सवालों के घेरे में है। ऐसे में दुनिया का अगला कदम क्या हो, इस पर कोई ठोस राय नहीं दिख रही है। युद्ध हर हाल में रोका जाना चाहिए, लेकिन युद्ध को रोक पाना मामूली इन्सानों और तमाम देशों के राजनेताओं में नहीं है।

खिलाफ इजराइल और अमेरिका की साझा जंग चल रही है, उसका बाजार में थोक और खुदरा महंगाई पर क्या असर पड़ेगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, युद्ध की वजह से तेल की सहज आपूर्ति को लेकर पहले ही कई तरह की आशंकाएं उभर रही थीं कि इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया।इसके बाद उस रास्ते से भारत में भी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और इसका असर बाजार पर पड़ना तय माना जा रहा है। फिलहाल खाना पकाने वाले गैस की कीमत में इजाफा और गैस सिलेंडरों की कमी की आशंका में लोगों के बीच मची अफरा-तफरी देखी जा सकती है।

बहस का गिरता स्तर- समाधान का जरिया या सिर्फ ऊर्जा की बर्बादी?

(पूनम पांडे)
मनुष्य हमेशा एक ही भाव में मुश्किल से ही दिखता है। वह कभी खुश कभी नाखुश है। कभी मुखर तो कभी मौन। कभी चुस्त-दुरुस्त तो कभी आलसी और सुस्ता। कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्था। कभी कंजूस तो कभी खर्चीला। यह इंद्रधनुषी रंग हर जगह देखने को मिल जाते हैं। इसे हर कोई स्वीकार भी कर लेता है।

एक कहावत भी है कि इसान अपने वातावरण के जैसा ही बन जाता है। रोजाना महसूस हो रही जीवनशैली की उजली-धुंधली चित्रकारी आदमी के मन में बैठकर उसका व्यवहार बनने लगती है।

इसीलिए एक आदत आजकल के लोगों में बहुतायत से देखने को मिल रही है। वह है बात-बात पर बहस और नाहक वाद-विवाद। हर बात पर तकरार का संस्कार सब पर हावी होता जा रहा है।

अगर आभासी दुनिया की बात की जाए, तो वहां भी हालात इसी तरह के हैं। एक ने सोशल मीडिया पर अपनी वाल कुछ लिखा, तो दूसरे को अखर जाता है। तीसरा उस पर खुलेआम अपशब्द लिख देता है। चौथा तो पांच, छह, सात अपनी ही मानसिकता वालों को आवाज देकर बुलाता है। उसके बाद गरमागरम बहस और तानेबाजी चल पड़ती है।

जमीन के जगत में आप रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हों, तो चार लोग बिना बात के ऊल-जलूल बोलने लगते हैं। आभासी दुनिया का ज्ञान उलीचने लगते हैं। चारों तरफ से बहस ही बहस हो रही होती है। सड़क पर, बस, मेटे, जुलूस में या किसी सामाजिक समारोह में, हर जगह यह आम बात होती जा रही है।

वहीं ऐसे भी लोग हैं जो अपने घर में मौनी साधक बनकर चुप बैठे रहते हैं, लेकिन घर की चारदिवारी से बाहर निकलकर वे

लोग भी अपने दिमाग का तरकश लेकर तैयार रहते हैं और फिर बातों के तीर चलाने से जरा भी बचा नहीं आते हैं। यानी हर जगह हर किसी को बहस करना तथा उलझना मजेदार लगने लगा है। दरअसल, टीवी बरसें ने भी लोगों को झगड़ालू-सा बना दिया

युद्ध सबको बेनकाब करता है

मशहूर सैनिक जनरल ड्वाइट आइजनहावर ने कहा था कि युद्ध करूर, बेमानी और बेवकूफी भरा होता है। रूस ने चार साल पहले यूक्रेन पर हमला किया था, लेकिन वह अब तक यह युद्ध जीत नहीं पाया है। इस बीच, रूस पर कर्ज का बोझ बहुत बढ़ गया है, तेल से होने वाली कमाई घट गई है और रूसी सेना को अब किराए के सैनिकों का सहारा लेना पड़ रहा है। ईरान के मामले में अमेरिका द्वारा युद्ध रोकने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। चूंकि यह युद्ध मशीनों के जरिए लड़ा जा रहा है, इसलिए जब तक मशीनों की आपूर्ति जारी रहेगी, अमेरिका इस युद्ध को जारी रख सकता है।

जब कोई देश युद्ध शुरू करता है, तो उसे यह भी पता होना चाहिए कि उसे कब रोकना है। युद्ध हर देश और हर इसान का असली चेहरा सामने ले आता है। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तो भारत ने उसकी निंदा नहीं की थी, लेकिन यह कहा था कि "यह युद्ध का दौर नहीं है।" जब अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस माद्रुरो का अपहरण किया था, तब इस तरह की नसीहतें सुनने को नहीं मिली थीं। पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा युद्ध में भी इस तरह की बातें बिल्कुल भी सुनने को नहीं मिल रही हैं।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के पीछे नस्लीय और धार्मिक भावनाएं भी काम कर रही हैं। इजरायल एक साम्राज्यवादी देश के रूप में सामने आया है। इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए अमेरिका उन सभी सिद्धांतों को नकार रहा है, जिन पर उसकी नींव रखी गई थी। अफसोस की बात है कि भारत की अपनी ही गलतियों ने उसे उन लोगों के सामने एक कांपते हुए पाचक जैसा बना दिया है, जो यह मानते हैं कि "जिसका पास ताकत है, उसी का राज चलता है।"

तेल, महंगाई और तबाही- ईरान युद्ध की असली कीमत कौन चुकाएगा

भारी नुकसान –ईरान को हुए व्यापक नुकसान में ये शामिल हैं-मिसाइल छोड़ने वाले ठिकाने जैसे सैन्य लक्ष्य, सशस्त्र बलों के अड्डे, नौसेना की संपत्तियां, हवाई सुरक्षा प्रणाली और उत्पादन सुविधाएं; घर, स्कूल और अस्पताल; प्रमुख तेल डिपो (जो अभी भी जल रहे हैं); आवश्यक बुनियादी ढांचा, जैसे जल आपूर्ति, विलवणीकरण संयंत्र आदि; सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़े जोखिम; और पर्यावरण को भारी नुकसान।

ईरान के दमनकारी माने जाने वाले शासन की प्रकृति को छोड़ दें और लोगों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने ऐसा क्या किया कि उन्हें इस तबाही का हकदार माना गया? इजराइल के उकसाने पर अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्र यूरैनियम का भंडार जमा कर लिया है और परमाणु हथियारों का निर्माण लगभग पूरा कर लिया है। कतर् की मध्यस्थता से स्टीव विटफाक और जेरेंड कुशनर को अमेरिका की ओर से ईरान से बातचीत के लिए नियुक्त किया गया था।

युद्ध शुरू होने की आशंका से ओमान के विदेश मंत्री वाशिंगटन पहुंचे, ताकि अमेरिका को यह आश्वासन दे सकें कि ईरान 'समुद्र यूरैनियम के शून्य भंडारण' पर सहमत हो गया है और उसने 'कभी भी परमाणु हथियार न रखने' की कसम खाई है। इस आश्वासन को दरकिनार करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक बातचीत खत्म कर दी और ईरान पर हमले का आदेश दे दिया।

इजरायल के विस्तारवाद के लिए ईरान खतरा हो सकता है, लेकिन वह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कोई खतरा नहीं है। जून 2025 में 'आपरेशन मिडनाइट हैमर' एक गैर-कानूनी हमला था। इसके बाद अमेरिका ने दावा किया था कि 'ईरान की यूरैनियम संबंधन सुविधाएं पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं।' उस अभियान (मिडनाइट हैमर) के बावजूद अगर ईरान ने परमाणु हथियार लगभग बना ही लिए थे, तो वे कहाँ?

क्या अमेरिका ने परमाणु निगरानी संस्था आइएनए यानी 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' से ईरान का निरीक्षण करने और परमाणु हथियारों के विकास पर कोई रपट देने के लिए कहा था? अमेरिका के पास यह तय करने का क्या अधिकार है कि किस देश के पास परमाणु हथियार होंगे और किसके पास नहीं? क्या अमेरिका अब



जब वर्दी में बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने पद पर गढ़ी शक्ति की नई परिभाषा

अ धिकार, अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक रही वर्दी पर हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही है, लेकिन जब इसे अभिनेत्रियाँ धारण करती हैं, तब उनकी गहराई, संवेदनशीलता और वास्तविकता इसे और खास बना देती है। उनका ये प्रदर्शन सिर्फ बाहरी ताकत नहीं, बल्कि अंदरूनी मजबूती और मानवीय पहलुओं को भी सामने लाती हैं। तो आइए एक नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर, जिन्होंने वर्दी सिर्फ पहनी नहीं, बल्कि उसे पूरी तरह जिया है।



शोफाली शाह- दिल्ली क्राइम

‘दिल्ली क्राइम’ में शोफाली शाह ने वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में बेहद संतुलित और वास्तविक अभिनय किया है। वह दिखाती हैं कि सच्चा नेतृत्व शोर में नहीं, बल्कि शांत और समझदारी भरे फैसलों में होता है। उनकी परफॉर्मस बेहद भरोसेमंद और प्रभावी लगती है।



रानी मुखर्जी- मर्दानी

‘मर्दानी’ में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में एक निडर, दृढ़ और तेज-तरंग अधिकारी का किरदार निभाया है। उनका आत्मविश्वास और सख्त नैतिकता इस किरदार को बेहद प्रभावशाली बनाती है। वह हर हाल में सही के लिए खड़ी रहती हैं, जो उन्हें और खास और यादगार बनाता है।



यामी गौतम- दसवीं

यामी गौतम ने जेल सुपरिटेण्डेंट ज्योति देसवाल के किरदार में एक शांत, लेकिन सख्त अधिकारी को दर्शाया है। उनका नियंत्रित व्यवहार और संयमित संवाद यह साबित करता है कि ताकत हमेशा जोर से बोलने में नहीं होती।



मोना सिंह- कोहरा

मोना सिंह का किरदार अपने संयम और सूक्ष्म अभिनय के लिए खास है। वह तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी सहज रहती हैं और अपने हाव-भाव से बहुत कुछ कह जाती हैं। उनका प्रदर्शन दिखाता है कि असली ताकत अक्सर खामोशी में छिपी होती है।

‘हेट स्टोरी 3’ के बाद जरीन की अभिनय क्षमता पर उठाए थे सवाल

हा

ल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान ने कई खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म हेट स्टोरी 3 के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी आलोचना सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म में किए गए बोल्ट सीन के कारण कई लोगों ने उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। जरीन खान ने अपने करियर की शुरुआत वीर से की थी, जिसमें उनके साथ सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद वह हाउसफुल 2 और बाद में हेट स्टोरी 3 जैसी फिल्मों में नजर आईं। ‘हेट स्टोरी 3’ ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्हें इंडस्ट्री में आलोचना का सामना करना पड़ा। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जरीन ने बताया कि फिल्म के बोल्ट सीन को लेकर कई लोगों ने उनके बारे में नकारात्मक टिप्पणियाँ कीं। उनका कहना था कि कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि वह अभिनय नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्हें इस तरह के सीन करने पड़े।

अभिनेत्री के मुताबिक, इस तरह की बातों से उन्हें काफी बुरा लगा और फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिला। फिल्म की सफलता के बाद जरीन को अक्सर 2 के लिए अप्रोच किया गया, जो 2006 में आई फिल्म अक्सर का सीक्वल थी। इस फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया था। जरीन का कहना है कि

जब उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई गई थी, तब इसे एक नॉयर थ्रिलर के रूप में पेश किया गया था। लेकिन शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें महसूस हुआ कि फिल्म में कई ऐसे सीन शामिल किए जा रहे हैं, जिनकी जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई थी। अभिनेत्री के मुताबिक, सेट पर अक्सर ऐसे दृश्य जोड़े जा रहे थे, जिनमें किसिंग सीन या रिवीलिंग कॉस्ट्यूम की मांग की जाती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें बोल्ट सीन करने से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट और वास्तविक शूटिंग के बीच काफी अंतर था। इस वजह से शूटिंग के दौरान कई बार तनावपूर्ण स्थिति भी पैदा हुईं। जरीन खान ने यह भी बताया कि इन सब परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने फिल्म पूरी करने का फैसला किया क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि निर्माताओं को आर्थिक नुकसान हो। उनका कहना था कि वह काम के प्रति जिम्मेदार हैं और हमेशा किसी विवाद से बचते हुए बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हैं। हालांकि फिल्म पूरी होने तक हालात इतने खराब हो गए थे कि उन्हें अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में आमंत्रित नहीं किया गया। अभिनेत्री का यह भी दावा है कि उस समय कई रिपोटर्स ने उन्हें ‘नखरीली एक्ट्रेस’ बताया गया, जबकि उनके पास ऐसे संदेश भी मौजूद हैं जिनमें निर्देशक खुद निर्माताओं की शिकायत करते दिखाई देते हैं।



‘राइज एंड फॉल’ और ‘कैंपस बीट्स’ के नए सीजन के साथ होगी धमाकेदार वापसी

‘रा इज एंड फॉल’ का पहला सीजन पिछले साल का सबसे चर्चित रियलिटी शो साबित हुआ था। इसकी कहानी एक अनोखे सोशल हायरार्की कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जहां 16 सेलिब्रिटीज को दो हिस्सों में बांटा जाता है, ‘रूलर्स’, जो आलीशान पेंटाहाउस में रहते हैं, और ‘वर्कर्स’, जो बेसमेंट में रहने को मजबूर होते हैं। शो में टास्क और दर्शकों के वोटों के जरिए ताकत बदलती रहती है। यह



शो अमेजन MX प्लेयर का अब तक का सबसे बड़ा टाइटल बन गया है, जिसे 500 मिलियन (50 करोड़) से ज्यादा बार देखा जा चुका है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बनकर इसने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सोशल मीडिया पर भी इसका काफी क्रेज रहा, जहां इसे 10 बिलियन (1000 करोड़) से ज्यादा व्यूज मिले और दर्शकों ने करीब 11

मिलियन वोट डाले। बनिजय एशिया की टीन डॉस ड्रामा सीरीज ‘कैंपस बीट्स’, जो एक मॉडर्न डॉस एकेडमी पर आधारित है, युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुकी है। शांतनु माहेश्वरी और श्रुति सिन्हा स्टार यह सीरीज नेत्रा (सिन्हा) नाम की एक जेन-जी लड़की की कहानी है, जो अपने डॉस के छिपे हुए टैलेंट को पहचानती है। इस सफर के दौरान उसे दोस्ती, प्यार, आजादी और न्याय का असली मतलब समझ आता है। इस सीरीज को पालकी मल्होत्रा ने

क्रिएट किया और लिखा है, जबकि इसका निर्देशन अनिरुद्ध राजदेकर ने किया है। इस मौके पर बनिजय एशिया के दीपक धर ने कहा, हम ऐसे मनोरंजन में विश्वास रखते हैं जो हर जॉनर में चर्चा पैदा करे, फिर चाहे वो ओरिजिनल कहानियाँ

हों या ग्लोबल फॉर्मेट्स। अमेजन MX प्लेयर प्रीमियम मनोरंजन को भारत में ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए एक शानदार पार्टनर है। हमारा साझा विजन यह सुनिश्चित करता है कि हम ऐसा दमदार कंटेंट पेश करते रहें जो भारतीय दर्शकों के दिल को छूए।



शाहरुख फिर करेंगे रोमांस, विंटेज लुक में नई फिल्म

शा हरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ‘किंग’ के बाद किंग खान एक विंग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिवक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने ‘दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे’, ‘कुछ कुछ होता है’ और ‘वीर-जारा’ जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था। लंबे समय बाद वे इस जोनर में वापसी कर रहे हैं, जिससे फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म की कहानी, डायरेक्टर और बाकी स्टारकास्ट को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मेकर्स इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर प्रमोट करने की योजना बना रहे हैं।

यूट्यूब से हटाया गया ‘सरके चुनर’

कि उन्होंने डायरेक्टर को भी कहा था कि ये गाना ठीक नहीं है और इसे लेकर विरोध होगा, लेकिन उन्होंने उनकी नहीं मानी। नोरा ने इसे लेकर हुए विरोध को लेकर भी समर्थन जाहिर किया और सभी से रिक्वेस्ट की कि इस गाने को शेरय न किया जाए।

क्या बोलीं नोरा फतेही?

नोरा ने वीडियो शेरय करते हुए कैप्शन में लिखा- ‘मैं नहीं चाहती कि किसी को भी ऐसा लगे कि मैं इसका समर्थन करती हूँ... इस विरोध के लिए धन्यवाद, इसी दबाव के कारण फिल्म निर्माताओं ने इसे हटा दिया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूँ कि इस गाने को शेरय करना बंद कर दें क्योंकि आप इसे बेवजह बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, मैं देख रही हूँ कि आप में से कुछ लोग इसका फायदा उठाकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं... यह दुर्भाग्यपूर्ण है। खैर, मैं और मेरी टीम भविष्य में ऐसी स्थितियों में अधिक सावधान रहेंगे। हालांकि, मैं यह दोहराना चाहती हूँ कि वुड्स इसे हिंदी गाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, मैंने



इस पर परफॉर्म नहीं किया और मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने की कोई अनुमति नहीं ली गई थी।’

नो रा फतेही के नए आइटम सॉन्ग पर हुए बवाल के बाद इसे यूट्यूब से हटाया जा चुका है। अपकॉमिंग कन्नड़ पैन-इंडिया फिल्म ‘केडी: द डेविल’ के गाने ‘सरके चुनर तेरी सरके...’ का हिंदी वर्जन 14 मार्च को रिलीज हुआ और देखते ही देखते गाने की लिрикस पर बवाल खड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर खूब आलोचना हुई। यही नहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इसे लेकर भूचाल मच गया। हर तरफ इसे डिलीट किए जाने की मांग होने लगी। गाने को लेकर बढ़ते विरोध को देखते के बाद मेकर्स ने इसके हिंदी वर्जन को यूट्यूब से हटा दिया। हालांकि, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में ये गाना अभी भी उपलब्ध है। अब इस पूरे विवाद पर नोरा फतेही

‘सरके चुनर तेरी सरके’ विवाद पर नोरा का रिएक्शन

नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने हालिया आइटम नंबर से जुड़े विवाद पर रिएक्ट करती दिखीं। गाने को यूट्यूब से हटाए जाने पर रिएक्शन देते हुए नोरा ने इस गाने को हटाए जाने को लेकर खुशी जाहिर की। साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि उन्हें कन्नड़ की समझ नहीं है, इसलिए उन्होंने वही किया जो उन्हें मेकर्स द्वारा कहा गया, लेकिन जब गाने का हिंदी वर्जन सुना तो वह इससे काफी परेशान हो गई थीं, क्योंकि उन्हें पता था कि इस पर विवाद हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया



रि यलिटी शो द 50 में मशहूर का रूपांगन रिद्धि से बर्दाश नहीं होता। रिद्धि फिर सिवैत को बाथरूम में ले गई और उनसे

पूछा- तुम क्या कर रहे हो, मुझे बताओ। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि तुम्हें क्या हुआ है। तुम मुझसे बात क्यों नहीं कर रहे हो। मुझे बुरा लग रहा है, इसलिए मैं जानना चाहती हूँ। सिवैत ने बताया कि रिद्धि का उन्हें ओवरफ्रेंडली कहना उन्हें पसंद नहीं आया। इसलिए उन्होंने उनसे बात करनी बंद कर दी थी। हालांकि, रिद्धि ने कहा कि वो सिर्फ मजाक कर रही थीं। रिद्धि और सिवैत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस का मानना है कि रिद्धि भी सिवैत को पसंद करने लगी हैं, इसलिए सिवैत के बात ना करने पर उन्हें आँखमल हो रही है। हालांकि, वायरल वीडियो पर कई लोग रिद्धि और सिवैत को ट्रोल भी कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि वो दोनों बाथरूम के बजाए कहीं और भी बात कर सकते थे।

13 साल छोटे हीरो के प्यार में तलाकशुदा एक्ट्रेस

Kendall Jenner ग्लैमरस लुक से बनाया सबको दीवाना

हॉलीवुड सुपरमॉडल Kendall Jenner हाल ही में बेवर्ली हिल्स में आयोजित वैनिटी फेयर ऑस्कर पार्टी में अपने शानदार अंदाज से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। उन्होंने इस दौरान Chanel का पेल ब्लू गाउन पहना, जिसमें वह बेहद ग्लैमरस और एलिगेंट लग रही थीं। इस खास मौके की उनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि पेल ब्लू गाउन में केडल जेनर का स्लिम फिगर देखने को मिल रहा है। इसके साथ उन्होंने मिनिमल मेकअप किया है और बालों को खुले रखा है। गाउन के साथ हाई हील्स पहनकर केडल ने अपने लुक को कंप्लीट किया है और सबको अपना दीवाना बना रही हैं। ऑस्कर नाइट में केडल जेनर की मौजूदगी खास रही, क्योंकि उन्हें उनके नए L’Oreal कमर्शियल Prada 2 के प्रमोशन के तौर पर पेश किया गया है।



फिल्म 'लव एंड घोस्ट' का ट्रेलर लांच

बॉ लीवुड में हॉरर फ़िल्मों के चलन के बीच अब एक और प्यार भरी हॉरर फ़िल्म ‘लव एंड घोस्ट’ जल्द आने वाली है, निर्देशक श्रीपती मिश्रा और प्रोड्यूसर गौरव मिश्रा की इस फिल्म का दमदार ट्रेलर मुम्बई के इंपा थिएटर में भव्य रूप से लॉन्च किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में कॉमेडियन सुनील पाल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर फिल्म के हीरो अजीत पंडित, अभिनेत्री मधुलग्ना दास, उर्मिला शर्मा भी उपस्थित थीं। चीफ गेस्ट कॉमेडियन सुनील पाल ने फिल्म के ट्रेलर को बहुत पसन्द किया और इस फिल्म की सफलता के लिए पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं, उन्होंने कहा कि निर्देशक श्रीपती मिश्रा के साथ उनकी गहरी मित्रता रही है वह जितने अच्छे डायरेक्टर हैं उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। निर्देशक श्रीपती मिश्रा ने कहा कि हमने हॉरर कहानियों से इन्सप्रायर ने शूट की, क्योंकि मैं अपनी फिल्म में अच्छी



लोकेशन को महत्व देता हूँ इसलिए इसे वादियों में फिल्माया। मैं हमेशा कुछ अलग करना चाहता हूँ, ये फिल्म भी दूसरी हॉरर फ़िल्मों से अलग है। 25-30 साल से इंडस्ट्री से जुड़ा हूँ। इसलिए वह तमाम अनुभव काम आए। हॉरर फिल्म को बनाने में सबसे बड़ी चुनौती ये होती है कि वीएफएक्स में बहुत समय लगता है। एक्शन खान फिल्म में एक तांत्रिक की महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। सभी कलाकारों ने बड़ी मेहनत और शिष्टता से काम किया है।”

नवरात्रि में क्यों बोए जाते हैं जौ? जानें ब्रह्म देव से क्या है कनेक्शन

नवरात्रि बड़ा पावन और विशेष माना जाता है। साल में चार बार नवरात्रि पड़ती है, जिसमें चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि बड़ी विशेष मानी जाती हैं। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन चैत्र नवरात्रि शुरू होती है। इसी दिन से हिंदू नववर्ष शुरू होता है। इस साल 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी। इसका समापन 27 मार्च को राम



क्यों बोए जाते हैं जौ ?
धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के जौ बोना शुभ और मंगलकारी माना जाता है। जौ को जयंती और ‘अन्नपूर्णा देवी’ का स्वरूप माना जाता है। इसको ‘जौ जयंती’ भी कहा जाता है। कहा जाता है कि नवरात्रि में अगर जौ नहीं बोए जाते तो पूजा पूरी नहीं होती। ऐसा इसलिए क्योंकि जौ का अंकुरण घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

ब्रह्मा जी से इसका क्या है संबंध ?
पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जौ संसार का पहला अन्न है। जौ को ब्रह्मा जी का स्वरूप भी माना गया है। जब ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की, तो सबसे पहले जौ ही उत्पन्न हुए। यही कारण है कि इसे पूर्णसस्य अर्थात पूरी फसल कहा जाता है। जौ ऋषियों का बहुत प्रिय अनाज माना गया है। यही सारी वजहें हैं कि जौ को विशेष स्थान दिया गया है।

जौ बोने की विधि

नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना की जाती है। इसके साथ जौ बोने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। सबसे पहले एक साफ मिट्टी का बर्तन लें, जिसका मुंह खुला हो। इसमें पावन मिट्टी को डालें और जौ के दाने बो दें। हल्के साथ से पानी छिड़कें और ध्यान रहे कि मिट्टी नम रहे। इस पात्र को मां दुर्गा की प्रतिमा के पास रखें और रोजाना थोड़ा-थोड़ा पानी दें।



मेघ राशि - आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। शासन-सत्ता या वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। नौकरी और व्यापार में आपके बुद्धि कौशल से किए गए कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ राशि - आज मन में किसी अज्ञात कारण से चिंता या भय रह सकता है। फिर भी सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बनी रहेगी। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी कार्य के पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। धन संबंधी मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, खर्चों पर नियंत्रण रखें। रिश्तों में मधुरता आएगी और परिवार का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव से बचने के लिए ध्यान और योग करें।

मिथुन राशि - आज किसी रिश्तेदार या परिचित से मतभेद हो सकता है। हालांकि आपके प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत मिलेंगे कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, अनावश्यक खर्चों से बचें। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। सेहत में सुधार होगा, दिनचर्या संतुलित रखें।

कर्क राशि - आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, ऊर्जा बनी रहेगी।

सिंह राशि - आज आपको सम्मान या उपहार मिलने की संभावना है। महिला अधिकारी या घर की महिला मुखिया का सहयोग मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में उम्मीद से अधिक लाभ मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति के संकेत हैं।

कन्या राशि - आज भाग्य का साथ मिलेगा और कोई सुखद समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला राशि- आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज घर के लिए उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी हो सकती है। ससुराल पक्ष से सहयोग मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु राशि- आज आपके रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर राशि - आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। परिवार में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रह सकता है। घर-परिवार से जुड़े कार्यों में अधिक समय देना पड़ सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे और मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और अपनों का सहयोग मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी, थकान से बचने के लिए आराम भी करें।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आ सकता है। व्यावसायिक प्रयास सफल होंगे और कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार में किए गए प्रयास सफल होंगे और नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन दिनचर्या संतुलित रखें।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

परफेक्ट ग्रेवी बनाने का तरीका



भारतीय रसोई में दही का इस्तेमाल कई तरह की सजाव्यों और ग्रेवी में किया जाता है। दही से बनी ग्रेवी का स्वाद हल्का खट्टा, क्रीमी और बेहद स्वादिष्ट होता है, इसलिए कढ़ी, दही वाली आलू की सब्जी, शाही ग्रेवी या कई दूसरी डिशेज में इसका स्वास महत्व होता है। दही न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह ग्रेवी को गाढ़ापन और अलग ही प्लेवोर भी देता है।लेकिन अक्सर खाना बनाते समय एक आम समस्या सामने आती है।ग्रेवी में दही डालते ही वह फट जाता है। कई बार ऐसा मेहनत से बनी सब्जी का स्वाद और टेक्सचर बिगड़ जाता है। दही के फटने से ग्रेवी अलग-अलग हिस्सों में बंट जाती है और वह उतनी खट्टा या क्रीमी नहीं रह पाती, जितनी हम चाहते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि ग्रेवी में दही मिलाने का सही तरीका क्या है?

क्यों फट जाता है दही ?

दही फटने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे अगर अगर आप बहुत गर्म या उबलती हुई ग्रेवी में सीधे दही डाल देते हैं तो तापमान ज्यादा होने की वजह से ये फट जाता है। इसके अलावा अगर आप दही को बिना फेंटे सीधे ग्रेवी में मिला दिया जाए तो भी ग्रेवी फटी-फटी रह सकती है और दही भी फट सकता है। साथ ही अगर बहुत ज्यादा खट्टा दही गर्म ग्रेवी में मिला दिया जाए तो भी इसके फटने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए हमेशा फ्रेश दही का ही इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं अगर ही बहुत पतला हो या उसमें पानी ज्यादा हो, तो गर्म ग्रेवी में डालने पर वह अलग हो सकता है।

ग्रेवी में दही डालते समय करें ये काम

ग्रेवी में डालने से पहले दही को अच्छे से फेंट लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे और वह स्मूद हो जाए।इससेके अलावा म्मच बेसन या थोड़ा सा आटा मिलाकर फेंटने से दही फटने की संभावना कम हो जाती है। दही डालते समय गैस की आंच धीमी कर दें

ग्रेवी में दही डालते समय करें ये काम
ग्रेवी में डालने से पहले दही को अच्छे से फेंट लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे और वह स्मूद हो जाए।इससेके अलावा म्मच बेसन या थोड़ा सा आटा मिलाकर फेंटने से दही फटने की संभावना कम हो जाती है। दही डालते समय गैस की आंच धीमी कर दें

घर में कैसे रखें 'लड्डू गोपाल' की मूर्ति

भगवान कृष्ण का बाल स्वरूप यानी 'लड्डू गोपाल' घर के किसी सदस्य की तरह होते हैं। भक्त उन्हें केवल एक मूर्ति नहीं मानते, बल्कि घर का सबसे छोटा बच्चा मानकर उनकी सेवा करते हैं। अक्सर कई भक्तों के मन में यह सवाल आता है कि क्या घर में एक से ज्यादा यानी 'दो लड्डू गोपाल' रखे जा सकते हैं? और अगर रखे जाएं, तो उनके नियम क्या होंगे?अक्सर ऐसा होता है कि घर में पहले से लड्डू गोपाल विराजमान होते हैं और कोई इन्हें दूसरा विग्रह भेंट कर देता है, या फिर हमारा मन किसी और बाल स्वरूप पर आ जाता है। शास्त्रों और मान्यताओं की मानें तो घर में दो लड्डू गोपाल रखने में कोई मनाही नहीं है, लेकिन यहाँ 'सैवा' की जिम्मेदारी दोगुनी हो जाती है।

1. भेदभाव की कोई जगह नहीं

जैसे एक मां अपने दो बच्चों के बीच फर्क नहीं करती, वैसे ही आपको दोनों लड्डू गोपाल की सेवा बराबर भाव से करनी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि नए लड्डू गोपाल के लिए नए कपड़े आ रहे हैं और पुराने वाले को अनदेखा किया जा रहा है। दोनों का श्रृंगार, दोनों का लाड-प्यार एक जैसा होना चाहिए।

2. भोग और स्नान का नियम

लड्डू गोपाल की सेवा का मुख्य आधार उनका 'नित्य कर्म' है। अगर आप दो लड्डू गोपाल रखते हैं, तो दोनों को साथ में जगाना, साथ में स्नान कराना और एक साथ भोग लगाना जरूरी है। यदि आप एक को खिलाकर दूसरे को भूल जाते हैं, तो यह दोष माना जाता है।

3. भाई-भाई का भाव

भक्ति मार्ग में भाव प्रधान होता है। अगर आपके पास दो लड्डू गोपाल हैं, तो आप उन्हें बड़े भाई और छोटे भाई (जैसे कृष्ण और बलराम) के रूप में मानकर सेवा कर सकते हैं।

अ

गार आप अनिद्रा से पीड़ित हैं और आपके मास्तिष्क के सांसारिक विचारों से घिरे रहने के कारण पूरी रात कष्टों बदलते रहने से आपका सो पाना मुश्किल लगता है तो रात के आहार में कुछ फलों को शामिल करने से बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। ज्यादातर डॉक्टरों का मानना है कि हर दिन सात या आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए, हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद अक्सर पीछे छूट जाती है, वहीं अपनी नींद को नज़रअंदाज़ करने से मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

सूजनरोधी गुणों, मेलोटोनिन और पोटेशियम के कारण बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञों ने ऐसे शीर्ष पांच

और फिर धीरे-धीरे ग्रेवी में मिलाएं। दही डालते समय सब्जी को लगातार चलाते रहें, इससे दही अच्छी तरह मिल जाता है और फटता नहीं। साथ ही दही में पहले एक-दो चम्मच गर्म ग्रेवी मिलाकर उसे थोड़ा गर्म कर लें, फिर उसे कढ़ाही में डालें।इससे टेम्प्रेचर बेलेस में रहता है और दही फटता नहीं है।

सावे ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से भी काम किया जाएगा ताकि देश और विदेश से मुंबई आने वाले पर्यटकों आरें में आए और यहाँ की जंगल को देख सकें। आरें का स्वरूप पूरी तरह

बाई के गोटेगांव स्थित हरे-भरे जंगलों के लिए महशूर आरें मिल्क कॉलोनी अब एक बड़े बदलाव की दहलीज़ पर खड़ी है। राज्य सरकार ने आरें क्षेत्र के व्यापक सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किया है। इस मास्टर प्लान के तहत पूरे आरें क्षेत्र का कायापलट किया जाएगा। राज्य के दुग्ध विकास मंत्री अतुल सावे ने यह जानकारी दी.अतुल सावे ने बताया कि आरें के कायापलट के लिए वन और डेयरी और राजस्व विभाग की संयुक्त समिति बनाई गई है.इस समिति की कई बार बैठक भी हो चुकी है. समिति ने सर्वसम्मति से आरें जंगल का कायापलट करने का निर्णय लिया है. इसमें पूरे आरें जंगल का सौंदर्यीकरण, जगह-जगह सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे।इसके साथ-साथ बड़ी संख्या में बुक्ष लगाएंगे जाएंगे।

बदल जाएगा। सावे ने यह भी बताया कि आरें के कायापलट के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान के लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। अतुल सावे के मुताबिक सरकार आरें क्षेत्र को पूरी तरह अवैध कब्जों से मुक्त कराने की तैयारी में है। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि जंगल और हरित क्षेत्र को संरक्षित किया जा सके। प्रशासन का मानना है कि अवैध निर्माण हटाने से पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिलेगी। दुग्ध विकास मंत्री ने कहा कि आरें की सुक्ष्मा के लिए बड़े

पैमाने पर सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति की योजना बनाई जा रही है। ये गार्ड चौबीसों घंटे निगरानी करेंगे, जिससे पेड़ों की कटाई, अतिक्रमण और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। सरकार आरें को और अधिक हरा भरा बनाने के लिए व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाएगी। हजारों की संख्या में नए पेड़ लगाए जाएंगे, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा



और मुंबई को "ग्रीन लंस" के रूप में नई पहचान मिलेगी। आरें को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की भी योजना है। प्राकृतिक वॉकिंग ट्रेल्स, इको-फ्रेंडली टूरिस्ट स्पॉट, ल्यू

आदिवासी संस्कृति से नहीं होगी कोई छेड़छाड़
आरें कॉलोनी में रह रहे हजारों आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। उल्टा उनकी परंपराओं, त्योहारों और लोक संस्कृति को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना तैयार की जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के साथ-साथ आदिवासी विरासत को सहेजने पर खास जोर दिया जाएगा।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे

हैं निंग स्किन को यूवी किरणों से बचाने का एक नेचुरल प्रोसेस होता है, दरअसल जब यूवी किरणें स्किन की एपिडर्मिस लेयरस के अंदर जाती हैं तो त्वचा मेलानोसाइट्स बनाना शुरू करती है। ये वो कोशिकाएं हैं जिससे मेलेनिन का प्रोडक्शन होता है। इससे त्वचा जलने या डैमेज से काफी हद तक बच जाती है, लेकिन रंगत गहरी हो जाती है। तो चलिए जान लेते हैं कि आप कैसे टैनिंग को रिमूव कर सकते हैं।

जैसे चीनी, चंदन, हल्दी, कॉफी पाउडर, शहद, नारियल तेल और बॉडी वॉश। सबसे पहले हल्दी को हल्का सा भून लें, अब इसमें कॉफी पाउडर और चीनी मिलाएं, इसके बाद शहद और नारियल तेल डालकर अच्छी तरह मिलाना है। इसमें सबसे लारस्ट में बॉडी वॉश मिलाना है। तैयार किए गए मिश्रण को नहाने से कुछ मिनट पहले शरीर के टैन वाले हिस्सों पर लगाएं और हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। लगभग 45 मिनट के बाद नहा लें। इससे टैनिंग हटती और डेड स्किन भी निकल जाएगी। फेस पर इसे लगाया है तो चीनी और बॉडी वॉश न डालें। इसे पैक की तरह इस्तेमाल करें। टैनिंग रिमूव करने के लिए आप सिंपल इनग्रेडिएंट्स के साथ फेस पैक बना सकते हैं जो एक ही बार में बढ़िया रिजल्ट देता है। इसके लिए 1 चम्मच बेसन में एक टमाटर का रस, एलोवेरा जेल, हल्दी और 1 चम्मच दही मिलाकर लगाएं। 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर फेस वॉश कर लें। स्किन ज्यादा ऑयली हो तो 3-4 बूंद नींबू का रस भी इसमें एड किया जा सकता है।

फलों के नाम गिनाये हैं जिनमें सेब, चेरी, कीवी, केला और अनानास शामिल है। अनानास के फायदे इसी प्रकार अनानास में मेलोटोनिन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और फाइबर

सोने से पहले खा लें ये फल

की प्रचुरता होती है। ये सभी सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि अनानास

ब्रोमेलैन भी होता है, जो अपने सूजनरोधी गुणों के कारण मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है और इस प्रकार आपकी नींद में सुधार करता है। सेब के फायदे विशेषज्ञों के मुताबिक सेब पोषक तत्वों का बड़ा स्रोत है जो रात की अच्छी नींद में योगदान दे सकता है। यह फल विटामिन और मेलोटोनिन से भरपूर है जो रात में जागने से रोकने में मदद कर सकता है। स्टार प्लेयर्स में से एक विटामिन बी -6 है, जो सेब में मौजूद है और अनिद्रा को कम कर सकता है। इसमें रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने और किसी व्यक्ति के सामान्य मूड के साथ-साथ समग्र कल्याण में सुधार करने में मदद मिलती है।

चेरी के फायदे

चेरी शरीर में पंटी-ऑक्सीडेंट मेलोटोनिन के स्तर को बढ़ा सकती है जो विश्राम और सोने में सहायक होती है। दिलवत्प तथ्य यह भी है कि चेरी से भी अधिक तीखा चेरी का रस, जो एक वायरल चलन का हिस्सा बन गया है, रात को अच्छी नींद लाने के लिए एक अछुपुत पेय है।

प्याइट और बैठने की विशेष व्यवस्था, बच्चों और परिवारों के लिए सुरक्षित पिकनिक ज़ोन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पर्यावरण और विकास का संतुलन
अतुल सावे ने कहा कि विकास कार्य पूरी तरह पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, ताकि आरें की प्राकृतिक पहचान बरकरार रहे।आरें मिल्क कॉलोनी न केवल मुंबई की "हरित शान" के रूप में फिर से स्थापित होगी, बल्कि एक प्रमुख इको-टूरिज्म हब के रूप में भी उभर सकती है। अब सभी की नज़रें सरकार के अंतिम फैसले और आगामी घोषणाओं पर टिकी हैं।

संरक्षण और संवर्धन की तैयारी
आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जाएगी। पारंपरिक कला, लोकनृत्य और हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने, सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने और युवाओं को प्रशिक्षण देने जैसे कदमों पर विचार किया जा रहा है।

आदिवासी संस्कृति से नहीं होगी कोई छेड़छाड़
आरें कॉलोनी में रह रहे हजारों आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। उल्टा उनकी परंपराओं, त्योहारों और लोक संस्कृति को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना तैयार की जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के साथ-साथ आदिवासी विरासत को सहेजने पर खास जोर दिया जाएगा।

दंतेवाड़ा के भांसी में श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी का 214वां जन्म उत्सव, बंग समाज और आदिवासी समाज की अद्भुत एकता की मिसाल



दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत भांसी में बंगाली समाज द्वारा पूर्ण ब्रह्मा श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी का 214वां जन्म उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह दो दिवसीय उत्सव 16 मार्च 2026 से 17 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया है, जिसमें दूर-दूर से आए मनुआ समाज और ग्रामीणों की भारी भागीदारी देखने को मिल रही है। उत्सव की शुरुआत प्रातःकाल घाट स्नान से होती है। इस दौरान गंगा माता की पुजा-अर्चना तेल और फूल से की जाती है और ठाकुर जी के स्नान के लिए पवित्र जल भरने की अनुमति मांगी जाती है। पुजा के बाद नदी से जल लाकर श्री

हरिचंद ठाकुर जी का स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात विधि-विधान से कलश स्थापना की जाती है। पहले दिन दूर-दराज से आए मनुआ समाज के श्रद्धालु अपने-अपने क्षेत्रों से उत्सव स्थल पर पहुंचते हैं। बंग समाज के पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लोग अपनी सांस्कृतिक वेशभूषा में ढोल, डंका और कसा की धुन पर नाचते-गाते हुए ःहरि नामः का जयघोष करते हुए ठाकुर जी के दरबार में पहुंचते हैं। इसके बाद पूरी रात भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन किया जाता है। इस उत्सव की विशेषता यह है कि इसमें केवल बंगाली समाज ही नहीं बल्कि अन्य सभी समाजों के ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर



हिस्सा लेते हैं। विशेष रूप से कटेकल्याण क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के ग्रामीण बंग समाज की वेशभूषा धारण कर ढोल, डंका और कसा की धुन पर शानदार प्रस्तुति देते हैं। उनकी इस अनोखी प्रस्तुति की बंग समाज सहित अन्य समाज के लोगों ने जमकर सराहना की। दूसरे दिन सुबह पूरे ग्राम पंचायत में ढोल-डंका और कसा की धुन के साथ सभी दलों द्वारा शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान ठाकुर जी की प्रतिमा को लेकर हर घर में जाकर नृत्य किया जाता है और आशीर्वाद दिया जाता है। उत्सव के अवसर पर दंतेवाड़ा जिले सहित अन्य जिलों और राज्यों से व्यापारी भी अपने-अपने स्टॉल

लगाते हैं, जिससे मेले जैसा वातावरण बन जाता है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ती है। दोपहर के समय आदिवासी समुदाय के ग्रामीण अपनी पारंपरिक वेशभूषा और ढोल-नृत्य के साथ उत्सव को और भी भव्य बनाते हैं। यह दृश्य बंग समाज और आदिवासी समाज के बीच आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव का सुंदर संदेश देता है। यह उत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न समाजों के बीच एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक समन्वय का भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोंडागांव। कोंडागांव पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने थाना कोंडागांव पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वर्ष 2013 से उसका परिचय आरोपी कुशल नेताम से था। परिचय के बाद आरोपी ने उससे प्यार करने और शादी करने का झांसा देकर लगातार उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी रुपेश कुमार के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना कोण्डागांव की संयुक्त टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान आरोपी कुशल नेताम (28 वर्ष) पिता बुधराम नेताम, निवासी भगदेवा थाना कोण्डागांव का पता तलाश किया गया। आरोपी अपने घर



पर मिला, जहां पूछताछ के दौरान उसने अपराध स्वीकार किया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने 16 मार्च को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, उपनिरीक्षक अखिलेश धीवर, सहायक उपनिरीक्षक शांति यादव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

पत्रकार रौनक शिवहरे की गिरफ्तारी से भड़के पत्रकार, दंतेवाड़ा में मौन धरना देकर न्यायिक जांच की मांग



दंतेवाड़ा। पत्रकार रौनक शिवहरे और उनके परिवार के खिलाफ दंतेवाड़ा जिले के गौदम थाने में गलत धाराओं के साथ-साथ एसटीडूपएससी एक्ट के तहत दर्ज अपराधिक मामला और गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। रविवार को इस मामले को लेकर दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ के बैनर तले पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सोमवार को बस्तर संभाग के सभी जिला मुख्यालयों में मौन धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में सोमवार को दंतेवाड़ा के दुर्गा मंडप में पत्रकारों ने मौन धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर की अनुपस्थिति में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की गई है। प्रेषित ज्ञापन में बताया गया कि 6 मार्च 2026 को दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के गौदम में निवासरत पत्रकार रौनक शिवहरे के घर के सामने एक ट्रैक्टर चालक, जो कथित रूप से नशे में धुत था, ने उनकी स्कूटी को टकरा मार दी। आरोप है कि चालक ने ट्रैक्टर से उनके पिता और उनकी



दो साल की बच्ची को दबाने की कोशिश भी की, दोनों बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पत्रकार रौनक शिवहरे मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर चालक से विवाद के बाद उन्होंने गौदम थाने में इसकी लिखित शिकायत दी। लेकिन पत्रकारों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की। उल्टा ट्रैक्टर चालक और उसके सहयोगियों के दबाव में आकर रौनक शिवहरे तथा उनके माता-पिता के खिलाफ एसटीडूपएससी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया और बिना उचित जांच के उन्हें जेल भेज दिया गया। पत्रकारों का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर रौनक शिवहरे और उनके माता-पिता पर इन धाराओं के तहत मामला बनता ही

आदि परब 2026 में गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया बीजापुर जिले के भानुप्रताप और साधना चिड़ियम ने परधान जनजाति का नाम का किया रोशन

बीजापुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान मंत्रालय नवा रायपुर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 13 और 14 मार्च को समृद्ध जनजातियों के भव्य कला संस्कृति वेशभूषा को एक मंच पर प्रस्तुत करने विश्व प्रसिद्ध एक अनुष्ठ आयोजन, आदि परब,, कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में निवासरत 43 जनजातियों ने एवं सीमावर्ती राज्यों के आदिवासियों ने अपने अपने आदि चित्रकला ,,आदि परिधान/ अटायर शो,, की प्रस्तुति दी । अटायर शो के दौरान बीजापुर जिले के एक बहुत ही सुन्दर मनमोहक जोड़ा क्पा2दह छ्शद्धश्शदर भानुप्रताप चिड़ियम और उनकी आधुनिकी साधना चिड़ियम जो परधान जनजाति से आते हैं । अपने वेशभूषा और संस्कृति का गर्व से अपने जनजाति का परिचय दिया इस दौरान मंच पर अपने प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया आकर्षण का केन्द्र रहे जिससे सुन्दर जोड़ी सुपर , पावर कपल कहकर सरहाया गया।



आदि परब कार्यक्रम में परधान जनजाति की अपनी एक ऐतिहासिक पहचान इस जोड़े ने अपने परधान जनजाति की पारम्परिक संस्कृति , वाद्ययंत्रों, वेशभूषा/ परिधान , आभूषणों ,गीत संगीत, नाच गाना , अपने झलकियों से दर्शकों के मनमोहकता , आकर्षण का केन्द्र रहे पति-पत्नी ने आदि परब में प्रतिभागी बनकर आकर्षक और भव्य प्रस्तुति देकर अपना नाम गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

किया जिसके लिए पति ,पत्नी दोनों को आदि परब मेमेंटो और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया । इस आदि परब के माध्यम से इस जोड़े ने यह संदेश दिया कि लोग कितने ही आधुनिक क्यों न हों जायें पर अपनी मूल संस्कृति वेशभूषा एतिहास को जीवंत रखना भी भावी पीढ़ी की जिम्मेदारी है जिससे उनकी पहचान है। आदि परब कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं छत्तीसगढ़ शासन सहित

मंत्री रामविचार नेताम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, मंत्री केदार कश्यप वन मंत्री , जनजाति आयोग अध्यक्ष रुपसिंह मण्डवी,संचालक हिना अनिमेष द्व्स् आदिम जाति अनुसंधान संस्थान और प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर, प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति विकास विभाग सहित मंत्रालय के अधिकारी कर्मचरियों, जनप्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ भर से आए हुए अतिथि शामिल हुए।

दंतेवाड़ा में गैस सिलेंडर की किल्लत, किरंदुल की इंडियन गैस एजेंसी पर सवाल — क्या विभाग कार्रवाई से बच रहा है?

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर को लेकर भारी किल्लत देखी जा रही है। ग्रामीणों को गैस सिलेंडर पाने के लिए कई-कई बार गैस एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या से आम जनता बेहद परेशान है। इधर किरंदुल स्थित इंडियन गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार शादी-समारोह के लिए एक बार में लगभग 15 गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं, जबकि आम उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में अब तक संबंधित



विभाग द्वारा न तो कोई जांच की गई है और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई है।इस स्थिति में विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जिले के किसी छोटे व्यापारी द्वारा इस तरह सिलेंडर का उपयोग किया जाता, तो अब तक विभाग नियम-कानून का हवाला देकर कड़ी कार्रवाई कर चुका होता। लेकिन एजेंसी के मामले में विभाग की चुप्पी लोगों के बीच कई तरह की चर्चाओं को जन्म

दे रही है।गैस सिलेंडर की कमी का असर अब स्थानीय व्यवसायों पर भी पड़ने लगा है। जानकारी मिल रही है कि बचेली और किरंदुल के कुछ कॉफी हाउस और छोटे होटल गैस की कमी के कारण बंद होने की कगार पर हैं। इससे न केवल व्यापारियों को नुकसान हो रहा है बल्कि स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। आम जनता ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि

पोटाकेबिन आश्रमों में बदहाल हालात: आदिवासी बच्चों को न भोजन ठीक, न कपड़े — जिम्मेदार कौन

आदिवासी बच्चों के हक पर डाका! बीजापुर के पोटाकेबिन आश्रमों में न फिल्टर पानी, न मीनू के अनुसार भोजन — सीट बढ़ाकर पैसों का खेल

बीजापुर। बीजापुर जिले के चारों विकासखंडों में आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित पोटाकेबिन बालक/ बालिका आश्रमों की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार कई पोटाकेबिन आश्रमों (ऋक्ष) में बच्चों को न तो फिल्टर किया हुआ पेयजल मिल रहा है और न ही मेंनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।



शासन द्वारा तय भोजन मेंनू चार्ट का पालन नहीं किया जाता। बच्चों को नियमित रूप से सख्नी तक नहीं मिलती, जबकि कागजों में पूरा मेंनू दर्शाया जाता है। इसके अलावा यूनिफॉर्म, कपड़े, पीटी शू (जूते), मोजे, चप्पल और सर्दियों के लिए स्वेटर जैसी आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी अधूरा बताया जा रहा है।

सालभर उपस्थित रहते हैं। आरोप है कि दर्ज संख्या बढ़ाकर अधिकारियों और अधीक्षकों की मिलीभगत से पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आदिवासी बच्चे पोटाकेबिन आश्रम में कुछ अधिकारी अधीक्षकों के मामलों को दबाने और उच्च अधिकारियों तक 'मैनेज' करने का काम करते हैं।

सीट कम, बिल पूरा — भ्रष्टाचार के आरोप

सूत्रों के अनुसार कई आश्रमों में बच्चों की वास्तविक संख्या कम है, लेकिन कागजों में पूरी सीट भरकर बजट निकाला जा रहा है। जहां 100 सीटर पोटाकेबिन है वहां लगभग 50 बच्चे ही रह रहे हैं, जबकि 150 सीटर पोटाकेबिन में भी करीब 100 बच्चे ही

नक्सल क्षेत्र का उठया जा रहा फायदा?

ग्रामीणों का आरोप है कि बीजापुर नक्सल प्रभावित जिला होने के कारण निगरानी कम रहती है, जिसका फायदा कुछ अधिकारी उठा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी का कहना साफ साफ कहा कि जितने भी (ऋक्ष) के



पोटाकेबिन है सभी अधीक्षकों को अपना वित्त राशि सख्स्पोर्टल से इस्तेमाल कर सकते है जिला शिक्षा अधिकारी का कहना ये भी है कि अधीक्षक जरूरत अनुसार बच्चों को पानी पिल्टर कपड़े चादर कंबल बकेट या बैठने के सुविधा भोजन वा नाश्ता अन्य जरूरत बच्चों का पूरा कर सकते है जिला शिक्षा अधिकारी के बयान के अनुसार साफ समझ आ रहा है कि बीजापुर जिले के जितने भी (ऋक्ष) में आते है सभी पोटाकेबिनो में जरूरत अनुसार (सख्स्) पेमेंट निकल कर सभी सामग्री खरीद सकते है

अधीक्षकों का कहना है

जिले के (ऋक्ष) पोटाकेबिनो के अधीक्षकों से इस मामले में बात करने पर अधीक्षक का साफ कहना है कि इस बात

पोटाकेबिन में कुछ नहीं आया है अधीक्षक वा अधिकारी के दोनों के बयान से साफ समझ आ रहा है बच्चों के लिए आने वाले हर सुविधा को अधीक्षक बच्चों को पूर्ति नहीं कर पा रहें है अब लग रहा बीजापुर में एक बार पीर से अधीक्षकों का सर्जरी करना बेहद जरूरी हो गया देखा होगा कि खबर के बाद विभागीय अधिकारी वा जिले के जिम्मेदार क्या कारवाही करते है

शिक्षा मंत्री भ्रष्टाचार पर सरकार सख्त

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने हाल ही में अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता सर्वोच्च होनी चाहिए और घटिया सामग्री देने वाले आपूर्तिकर्ताओं को ब्लैकलिस्ट किया जाए। मंत्री ने छात्रावासों, कन्या छात्रावासों और पोटा केबिनों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भी निर्देश दिया है। छिंदवाड़ा विकासखंड के पोटाकेबिन पोटा केबिन में भोजन में जहरीला पदार्थ मिलने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं शासन की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में स्क्रीनिंग व हेल्थ कैंप का आयोजन

कोंडागांव। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में एक दिवसीय हेल्थ चेकअप एवं फ्लोरोसिस स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के निर्देशन तथा जिला नोडल अधिकारी (राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम) डॉ. आर. सोनल ध्व एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भावना महलवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा मितानिन कार्यक्रमों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान जिला सलाहकार जोनाथन विनय द्वारा स्कूली बच्चों को फ्लोरोसिस से संबंधित जानकारी एवं बचाव के उपाय बताए गए। इस अवसर पर विरायदु दल द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें फ्लोरोसिस प्रभावित बच्चों की स्क्रीनिंग के साथ अन्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों को आवश्यक दवाइयों एवं नॉन-फ्लोराइड टूथपेस्ट का वितरण किया गया। मितानिन



कार्यकर्ताओं द्वारा जमीनी स्तर पर प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें उपचार हेतु अस्पताल लाने के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षकों को बच्चों के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत पीएचड विभाग द्वारा प्रभावित जल स्रोतों के नमूने भी एकत्रित किए गए, ताकि समस्या के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाए जा सकें। यह शिविर ग्रामीणों में फ्लोरोसिस के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

एलपीजी गैस वितरण में अनियमितता एवं कालाबाजारी रोकने कड़ी निगरानी रखें : कलेक्टर सिंह

अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक एवं तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने पर कलेक्टर ने दिया बल

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर सिंह ने मकान सूचीकरण ब्लॉक कार्य को 31 मार्च तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही इंचार्ज अधिकारियों को सूची में एकरूपता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन की स्थिति की समीक्षा की गई। सभी पंचायतों में पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिन पंचायतों में अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, वहां के सचिवों के एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों और तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। सभी



विभागों को ई-एआरएमएस में ऑनबोर्डिंग के लिए निर्धारित प्रारूप में जानकारी 31 मार्च से पहले सामान्य प्रशासन विभाग को भेजने को कहा गया। समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में धान उठाव की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को सभी समितियों से 25 मार्च तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद्य

अधिकारी को एलपीजी गैस वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए गए। शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। इसके अलावा सभी विभागों को लॉबित बिजली बिलों का जल्द धुगतान करने और निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर संबंधित विभागों को राशि लौटाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बाल देखरेख संस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के

सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारी ने अवगत कराया कि आंगनबाड़ी प्रवेश उत्सव के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में अब तक 3094 नए बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। कलेक्टर ने सभी विभागों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में एडीएम वीरेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवर्ष सिंह मिरी एवं सिल्ले थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल व्यवस्था पर नजर रखे पीएचई विभाग : संभाग आयुक्त राठौर

संभाग आयुक्त ने ली संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक

दुर्ग। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने कहा कि संभाग अंतर्गत सभी जिलों में पेयजल व्यवस्था प्रभावित न हो, इस पर पीएचई विभाग के अधिकारी विशेष नजर रखें। उन्होंने कहा कि संभाग अंतर्गत जलाशयों में पानी का पर्याप्त भराव है, आवश्यकता होने पर जिलों को पानी की उपलब्धता कराई जाएगी। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों को सचेत किया कि कहीं से भी पानी की समस्याएं नहीं आनी चाहिए। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत जहां कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जाए। राठौर संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में पेय जल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय सीसीएम कॉलेज में आवश्यक निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान विभागों को राशि जमा होने के बावजूद भी कार्य अप्रारंभ होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य एजेंसी विभाग पीडब्ल्यूडी,



विद्युत यांत्रिकी एवं पीएचई विभाग के अधिकारियों को उक्त कॉलेज में निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित सिविल वर्क सीसीटीवी कैमरा, एसी एवं लिफ्ट मशीन लगाने का कार्य और छात्रवासों में पानी की व्यवस्था के कार्य समय अवधि में पूर्ण किया जाए। इसी प्रकार जनपद स्तर पर निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को कार्यों का पंजी अवलोकन निरीक्षण के दौरान कराया जाए। उन्होंने चिकित्सालयों में सीजीएमएससी को स्वीकृत कार्य प्रारंभ करने निर्देश दिए।

संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि संभागीय ई-ऑफिस प्रक्रिया में दुर्ग संभाग प्रदेश में प्रथम पायदान पर कायम है। इसी प्रकार दुर्ग जिला भी प्रदेश भर में दूसरे क्रम पर है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रक्रिया अब तहसील एवं विकासखण्ड स्तर के कार्यालयों में भी शुरू की जाए। संभागायुक्त राठौर ने संभाग के सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी अधीनस्थ कार्यालयों में भी उपस्थिति हेतु बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रणाली अपनाएं।

भिलाई निगम की महापौर परिषद ने बजट 2026-27 को दी मंजूरी, विकास और जन-सुविधाओं पर रहेगा जोर

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में महापौर परिषद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर के विकास का वित्तीय खाका तैयार किया गया। बजट प्रस्तुतिकरण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम द्वारा तैयार किया गया आगामी वित्तीय वर्ष का बजट महापौर के समक्ष प्रस्तुत किया। महापौर नीरज पाल ने बजट के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ की, जिसमें परिषद के सदस्यों ने बजट की बारीकी से समीक्षा की और शहर हित में अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। गहन विचार-विमर्श के उपरान्त, परिषद के सदस्यों ने जनहितैषी कार्यों और शहर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए बजट में आवश्यक संशोधनों को



शामिल किया। इसके पश्चात, वित्तीय वर्ष 2026-27 के इस बजट को अंतिम निर्णय हेतु सामान्य सभा में भेजने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। बैठक में महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बछौरा, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, मन्ना गणपतर खान, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी. के.

कोसरिया, प्रभारी अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, सभी जून आयुक्त अजय राजपूत, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अमिल सिंह, अरविन्द शर्मा, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने किया सघन निरीक्षण मियावाकी प्लांटेशन और जल संरक्षण पर जोर

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जून-2 वैशाली नगर और कैलाश नगर क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मियावाकी वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने और मुख्य नहर के माध्यम से जल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने इंदु आई.टी. के पोटे निगम स्वामित्व के रिकत भूखण्ड का अवलोकन किया। शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ



‘मियावाकी पद्धति’ से सघन पौधारोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्थल पर बोरेवाल और फेंसिंग का कार्य संपन्न हो चुका है। आयुक्त ने कहा कि इस पद्धति से न केवल पर्यावरण हरा-भरा होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। शांति नगर के स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से मुलाकात

कर क्षेत्र में सुगम आवागमन हेतु नई सड़क निर्माण की मांग रखी। आयुक्त ने निवासियों को आश्वासन दिया कि नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किया जाएगा। कैलाश नगर में निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे नागरिकों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण और बिल्डिंग मटेरियल रखकर मार्ग अवरोध करने की शिकायत सही पाई गई। आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल बाधाएं हटाने के निर्देश दिए। एकटा चौक, कैलाश नगर और कुरुद रोड किनारे स्थित मुख्य नहर का निरीक्षण किया गया।

जिले के स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेशन के लिए लगेगी शिविर

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निरंतर मॉनिटरिंग और मार्गदर्शन में जिले के शासकीय व अशासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का मैडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं, जबकि कुछ स्कूलों में परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं, विद्यार्थियों की स्कूल में उपस्थिति कम होने की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को समय-समय बनावर स्कूलों में शिविर कर अपडेशन के निर्देश दिए हैं, ताकि सभी बच्चों का अपडेशन सुनिश्चित किया जा सके। फरवरी माह में स्कूलों में कुल 12122 मैडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट तथा 677 आधार अपडेट किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया वर्तमान में निःशुल्क की जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बेघर परिवारों के लिए फ्लैट उपलब्ध

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में बेघर एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। योजना के एएचपी घटक के तहत सरस्वती नगर, माँ कर्मा बोसी, फॉर्चून हाउस बोसी एवं गोकुल नगर में निर्मित रिक फ्लैट आवास हितग्राहियों के लिए उपलब्ध हैं। इन आवासों का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। इस योजना का लाभ ऐसे हितग्राहियों को दिया जा रहा है जो अगस्त 2015 के पहले से शहर में निवासरत हैं तथा वर्तमान में किराये के मकान, किसी अन्य के मकान या कच्चे मकान में रह रहे हैं और स्वयं का पक्का घर नहीं है। पात्र हितग्राही लगभग 3.5 लाख रुपये की लागत में किस्तों

के माध्यम से फ्लैट आवास प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा हितग्राहियों की सुविधा के लिए ऋण उपलब्ध कराने हेतु फाइनेंस कंपनियों की व्यवस्था भी की गई है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य शहर के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। नगर निगम द्वारा निर्मित इन फ्लैट आवासों का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राही उठाएं और अपने सपनों का घर प्राप्त करें। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सभी पात्र हितग्राही जो बेघर हैं या किराये के मकान में रह रहे हैं, वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। आवास प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राही प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय, डाटा सेंटर, नगर निगम दुर्ग में संपर्क कर योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं।

पोषण और देखभाल से मिला बेहतर परिणाम मातृ वंदना योजना से लाभान्वित हुई गीतांजली

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला सशक्तिकरण केन्द्र दुर्ग द्वारा परियोजना दुर्ग ग्रामीण के सेक्टर समझ में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम ग्राम सिलोदा, ग्राम पंचायत खपरी की निवासी गीतांजली साहू के जीवन में देखने को मिला। गीतांजली साहू पति देवेंद्र कुमार साहू ने बताया कि जब वह गर्भवती थीं, तब महिला सशक्तिकरण केन्द्र की टीम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में जानकारी दी और उनका पंजीयन कराया गया। गर्भावस्था के पांचवें माह में उन्हें योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 3000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। प्रारंभ में गीतांजली का वजन मात्र 38 किलोग्राम था और उनका हीमोग्लोबिन स्तर 10 ग्राम था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सलाह पर उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने पोषण के लिए किया। उन्होंने अपने आहार में अंकुरित अनाज, सलाद, फल और दूध को शामिल किया। संतुलित आहार और नियमित देखभाल के कारण गर्भावस्था के नौवें माह तक उनका वजन लगभग 8 किलोग्राम बढ़ गया और हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 11 ग्राम हो गया। 23 नवंबर



2025 को गीतांजली ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया, जिसका वजन 2.50 किलोग्राम था। जन्म के बाद भी उन्होंने बच्चे को नियमित स्तनपान कराया, जिससे एक माह में बच्चे का वजन बढ़कर लगभग 3.5 किलोग्राम हो गया। गीतांजली साहू ने गर्भवती महिलाओं के लिए शासन द्वारा दी जा रही इस सहायता राशि और योजनाओं के लिए आधार व्यक्ति करते हुए कहती हैं कि समय पर मिली जानकारी और पोषण सहायता से उन्हें स्वस्थ मातृत्व प्राप्त हुआ।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन में दुर्ग जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर

कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में मिली बड़ी सफलता

दुर्ग। सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गतिशीलता और पेपरलेस गर्वनमेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन में दुर्ग जिले ने पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, ई-फाइल काउंट के मामले में दुर्ग जिला 9,957 फाइलों के साथ पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर काबिज हो गया है। यह उपलब्धि कलेक्टर अभिजीत सिंह के कुशल मार्गदर्शन और उनके प्रतिफल है। जिले में इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कार्यालयीन फाइलों के



निपटान में तेजी आई है जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट किया है कि ई-ऑफिस केवल एक सांफ्टवेयर मात्र नहीं, कार्य संस्कृति में एक क्रांतिकारी बदलाव है, जिससे आम जनता के कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो रहा है। प्रदेश स्तर पर ई-ऑफिस की वर्तमान स्थिति के अनुसार सक्ती जिला प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि

सक्ती जिले को शासन द्वारा ई-ऑफिस के सफल क्रियान्वयन के लिए एक 'प्रयोग जिले' के रूप में विकसित किया गया था, जहाँ शुरुआती दौर में इस तकनीक का व्यापक परीक्षण किया गया। इस मॉडल डिस्ट्रिक्ट पहल के कारण सक्ती जिले को आंकड़ों में उल्लेखनीय बढ़त प्राप्त हुई है। हालांकि, दुर्ग जिले ने अपनी सक्रियता और बेहतर प्रशिक्षण नगनीति के माध्यम से बहुत कम समय में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप, जिले के सभी सरकारी विभागों में अब भौतिक फाइलों के स्थान पर डिजिटल फाइलों के चलन को प्राथमिकता दी जा रही है। जिससे भविष्य में 'जिरो पेपेंसी' के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी।

जिले में किशोरियों हेतु एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत, सर्वाइकल कैंसर से होगा बचाव



बलौदाबाजार। भारत सरकार द्वारा देश में एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। इसी कड़ी में अब जिले में भी टीका लगाना शुरू किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि एचपीवी अर्थात् ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव हेतु यह टीकाकरण अभी उन किशोरावस्था की बालिकाओं को लगाया जा रहा है

जिन्होंने अपना 14 वां जन्मदिन तो मनाया हो पर 15 वां पूरा न किया गया हो। आयु के प्रमाण हेतु आधार अथवा फोटो आईडी मान्य की जाएगी। यदि पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो अभिभावकों द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र के आधार पर भी टीकाकरण किया जा सकेगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ के. के. टेम्भूरने के अनुसार इसका उद्देश्य किशोरावस्था की बालिकाओं को

एचपी वायरस से बचाव करना है जो बाद में सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है। महिलाओं में यह कैंसर प्रमुख रूप से दिखाई पड़ता है। निजी अस्पतालों में भी यह टीका लगाया जाता रहा है जहाँ पैसे खर्च होते किंतु शासन ने इसे निःशुल्क रखा है जिससे लोग लाभ ले सकें। अपनी बच्ची वैशाली को जिला अस्पताल में टीका लगवाने आए शिक्षक अरुण वर्मा ने बताया कि सभाचार और विभिन्न सोशल मीडिया माध्यम से उन्हें इस टीकाकरण की जानकारी मिली। पहले वह निजी अस्पताल जाने वाले थे पर अब यहाँ निःशुल्क टीका लग रहा है तो जिला अस्पताल आ कर टीका लगावाएँ हैं। प्रत्येक टीकाकरण सत्र स्थल पर प्रतीक्षालय, टीकाकरण कक्ष तथा निगरानी कक्ष की समुचित व्यवस्था की की गई है।

डिस्ट्रिक्ट मीडिया क्लब सदस्यों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

धमररी। डिस्ट्रिक्ट मीडिया क्लब के महासंरक्षक दीपक लखोटिया के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी। इस दौरान मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष सहित विभिन्न मंत्रियों, विधायकों से मुलाकात की गई। क्लब के सदस्यों ने रायपुर स्थित निवास पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं धमररी के पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा तथा हरमीत सिंह होरा से भी सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पत्रकारिता की वर्तमान भूमिका, क्षेत्रीय विकास, सामाजिक सरोकारों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मीडिया क्लब के प्रतिनिधि मंडल ने धमररी जिले में पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने की जिम्मेदारी तथा निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व पर अपने विचार साझा किए। क्लब के संरक्षक दीपक लखोटिया ने कहा कि पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। मीडिया के माध्यम से ही आम जनता की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचती है और समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल होती है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस



उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा ने मीडिया की भूमिका को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि समाज में जागरूकता लाने और जनहित के मुद्दों को सामने लाने में पत्रकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, जिम्मेदार और सकारात्मक पत्रकारिता से समाज को सही दिशा मिलती है

और शासन-प्रशासन भी जनभावनाओं से अवगत होता है। उन्होंने धमररी जिले के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र की प्रगति के लिए सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। समाज के विकास में मीडिया की सक्रिय भागीदारी से जनसमस्याओं का समाधान और

अध्यक्ष प्रेम मोंगें, महासंरक्षक आशीष मिश्री, संजय छजेड़, नरेश राखेचा, राजेश रायचुरा, विशेष लखोटिया, डॉ भूपेंद्र साहू, पवन तिवारी, दीपेश देवांगन, मयंक केशवानी, आशीष बंगानी, उषेंद्र साहू, विजय साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।